सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 278 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 22 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### समय बर्बाद न करें: सीजेपी प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई का मामला, तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार क्यों?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। वकील नरेंद्र मिश्रा ने चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का जिक्र करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की। इस पर सीजेआई ने कहा, हमारा समय बर्बाद मत कीजिए और अपना समय भी बर्बाद मत कीजिए। वकील ने कहा कि उनके पास ऐसे वीडियो हैं, जिनमें पुलिस की कथित ज्यादती दिख रही है। इस पर सीजेआई ने कहा, हमें वीडियो में कोई दिलचस्पी नहीं। हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं है।

याचिका में दावा किया गया था कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से आयोजित प्रदर्शन में पुलिस ने छात्रों पर बल प्रयोग किया। इसमें शीर्ष कोर्ट से तत्काल दखल देने का आग्रह किया गया था।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में तत्काल सुनवाई से इनकार किया। कोर्ट ने इस याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की मांग को स्वीकार नहीं किया।

### जंतर-मंतर पर प्रोटेस्ट के बीच दिल्ली मेट्रो का बड़ा फैसला, बंद किए गए ये 16 स्टेशन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। इसके तहत दिल्ली मेट्रो के 16 प्रमुख स्टेशन अगले निर्देश तक यात्रियों के लिए बंद कर दिए गए हैं।

बंद किए गए स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक और रामकृष्ण आश्रम मार्ग शामिल हैं। बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ और जनपथ स्टेशन पर भी प्रवेश वर्जित है। मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ और दिल्ली गेट भी इस सूची में हैं। इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग और शिवाजी स्टेडियम स्टेशन भी बंद रहेंगे। यह निर्णय विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लिया गया है। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है। इन स्टेशनों पर प्रवेश और निकास दोनों ही बंद कर दिए गए हैं। यात्रियों को इन मार्गों से यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है।

इन 16 स्टेशनों के बंद होने से दिल्ली मेट्रो की येलो, ब्लू, वायलेट और एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइनों पर प्रभाव पड़ेगा। राजीव चौक और केंद्रीय सचिवालय जैसे इंटरचेंज स्टेशन बंद हो गए हैं। इससे यात्रियों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ेगा। कई यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक परिवहन साधनों का उपयोग करने को मजबूर होंगे। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों को यात्रा शुरू करने से पहले अपडेट जांचने की सलाह दी है।

# मोर गांव, मोर पानी' महाअभियान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा

कांतिप्रकाशपुर की पहाड़ी पर बने 600 स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच, वर्षा जल का होगा अधिकतम संचयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव, मोर पानी' महाअभियान के माध्यम से सरगुजा जिले में जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक पद्धति से जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत अंबिकापुर की ग्राम पंचायत कांतिप्रकाशपुर के पहाड़ी क्षेत्र में 600 स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच (एससीटी) का निर्माण किया गया है, जो भू-जल पुनर्भरण, हरित आवरण विस्तार और कृषि विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाएंगे। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में पहाड़ी ढलानों पर रिज टू वैली अवधारणा के अनुरूप कंटूर लाइन के आधार पर जिग-जैग स्वरूप में इन ट्रेंचों का निर्माण किया गया है। यह वैज्ञानिक तकनीक वर्षा जल के तेज बहाव को नियंत्रित कर उसे धीरे-धीरे भूमि में समाहित करती है, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि होती है और प्राकृतिक जल स्रोतों का पुनर्भरण संभव होता है।

पहले वर्षा के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों का अधिकांश पानी बहकर निकल जाता था, जिससे मिट्टी का कटाव होता था और जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता था। अब स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंचों के निर्माण से वर्षा जल अधिक समय तक क्षेत्र में ठहरेगा, भूमि में समाहित होगा और आसपास के कुओं, हैंडपंपों तथा अन्य जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने में सहायक बनेगा। इससे भविष्य में पेयजल उपलब्धता बेहतर होने के साथ कृषि कार्यों के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा।

# पूरी निष्ठा और सेवा भाव से करें जनसेवा, छत्तीसगढ़ के निर्माण में निभाएं महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम साय

- **मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से छत्तीसगढ़ से अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों ने की सौजन्य मुलाकात**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ से अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनसे जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित होना केवल अभ्यर्थियों और उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा समाज और राष्ट्र के निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम है तथा इसमें कार्य करने वाले अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि उन्हें लोगों की सेवा का जो अवसर मिला है, वह ईश्वर का आशीर्वाद और समाज का विश्वास है। इस अवसर का उपयोग आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने में युवा प्रशासनिक अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी चयनित अभ्यर्थी अपनी प्रतिभा, कार्यकुशलता और सेवा भावना से छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव साझा किए तथा उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

सौजन्य मुलाकात के दौरान अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों में सुश्री सुष्मिता सिंह, सुश्री वैभवी अग्रवाल, सुश्री दर्शना सिंह बघेल, रौनक अग्रवाल, अजय गुप्ता, अंकित सकनी, डायमंड ध्रुव एवं संजय डहरिया सहित उनके परिजन उपस्थित थे।

# हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम में हुई शामिल

- **दैनिक जीवन में स्थानीय स्तर पर निर्मित ग्रामोद्योग एवं हस्तशिल्प उत्पादों को अपनाने तथा उनके उपयोग को बढ़ावा देने की अपील**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत शासकीय विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग में आयोजित वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से दैनिक जीवन में स्थानीय स्तर पर निर्मित ग्रामोद्योग एवं हस्तशिल्प उत्पादों को अपनाने तथा उनके उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की। श्रीमती शालिनी राजपूत ने कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए विभिन्न हस्तशिल्प स्टॉलों का अवलोकन किया तथा स्थानीय शिल्पकारों से संवाद कर उनके कार्यों, उत्पादों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग से न केवल पारंपरिक कला एवं संस्कृति का संरक्षण होगा। बल्कि शिल्पकारों और ग्रामीण उद्यमियों को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर हस्तशिल्प प्रबंधक सी.एस. के हरि व अन्य अधिकारी-कर्मचारी, शिल्पकार एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

# तेज बारिश और 60 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, कई जिलों के लिए चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है। लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर हैं, जबकि निचले क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बनने लगी है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेशभर में मानसूनी गतिविधियां तेज बने रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके मद्देनजर कई जिलों में ऑरेंज और यलो अलर्ट घोषित किया गया है।

राजधानी रायपुर में बुधवार सुबह से रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी है। बादलों की वजह से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है। हालांकि कई इलाकों में जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार रायपुर में दिनभर बादल छाए रहने के साथ गरज-चमक और बारिश की संभावना बनी रहेगी। शहर का अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में बारिश का असर अधिक देखने को मिला है। बीते 24 घंटे में बिलासपुर संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि अंबिकापुर में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। धमतरी जिले में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। बांधों और जलाशयों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई स्थानों पर पानी भरने की स्थिति बनने के बाद प्रशासन ने संभावित बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है।

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय मानसून द्रोणिका, मध्यप्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण, बंगाल की खाड़ी में सक्रिय ऊपरी हवा के सिस्टम तथा छत्तीसगढ़ से गुजर रही द्रोणिका के संयुक्त प्रभाव से अगले 24 घंटों के दौरान अधिकांश क्षेत्रों में बारिश जारी रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है।

वहीं बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जिलों के लिए तेज हवा और भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कई अन्य जिलों में सामान्य से मध्यम बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट भी प्रभावी रहेगा।

# दर्दनाक हादसा: रोपा लगाने जा रही महिलाओं से भरा ट्रैक्टर पलटा, दो की मौत; छह घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर।** बिलासपुर जिले के हिर्री थाना क्षेत्र के मेडपार बाजार में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बगदेवा मंदिर के पास धान की रोपाई के लिए खेत जा रही महिलाओं से भरा ट्रैक्टर चालक की कथित लापरवाही के कारण अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। हादसे के समय ट्रैक्टर में मेडपार बाजार से सकर्रा की ओर रोपाई के लिए जा रही करीब 19 महिलाएं सवार थीं।

हादसे में दो महिलाओं की मौत की सूचना है, जबकि करीब छह महिलाएं घायल हुई हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल उपचार के लिए बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक की लापरवाही के चलते ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। हादसे में घायल लोगों में मथुरा निषाद, आरती निषाद, दिलीप निषाद, मिलौती निषाद, चमारू ऐवत, संगीता प्रजापति सहित अन्य शामिल हैं। हालांकि, मृतकों और घायलों की संख्या तथा उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि पुलिस और अस्पताल प्रशासन की ओर से की जानी बाकी है।

बताया जा रहा है कि हादसे के बाद घायलों को गंभीर हालत में सिम्स अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

## संपादकीय

# फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

### विवादों से घिरा रहा सबसे बड़ा वर्ल्ड कप

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चैंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवत: हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशों—अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूर्नामेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूर्नामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूर्नामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूर्नामेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई। वहीं दूसरी ओर अनिवार्य हाइड्रेशन ब्रेक को लेकर भी काफी हंगामा देखने में आया। दरअसल, ये अमेरिकी खेलों में होने वाले टैक्टिकल टाइमआउट जैसे थे। फुटबॉल प्रेमियों का आरोप था कि इससे खेल की लय टूटी है। दूसरी तरफकमर्शियल मौके बनते देखे गए। यह पहले से तय था कि अनावश्यक दखलंदाजी के लिये चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति का दखल भी इस टूर्नामेंट में दिखेगा, क्योंकि इस आयोजन के मुख्य टूर्नामेंट अमेरिका में खेले जा रहे थे। इस आयोजन के दौरान तब विवाद सामने आया जब डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो से अमेरिकी स्ट्राइकर फेलारिन बालोगुन को दिखाए गए रेड कार्ड की समीक्षा करने को कहा था। विवाद तब उठना शुरू हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दखल के बाद अमेरिकी स्ट्राइकर फेलारिन बालोगुन पर से एक मैच का बैन हटा लिया गया, जिसके बाद बालोगुन ने राउंड-ऑफ-16 का मैच खेला। लेकिन इस अभूतपूर्व दखल के बाद दंभी अमेरिका टूर्नामेंट से बाहर होने से नहीं बच पाया। इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के साथ पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने के लिये मैदान पर आए तो लोगों ने अपनी भड़ास निकालते हुए खूब हूटिंग की। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस आयोजन के दौरान जो खामियां सामने आई, आने वाले विश्वकप में फीफा उन्हें दूर करने का प्रयास करेगा। खासकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इनोवेशन से खेल तो बेहतर होना चाहिए, लेकिन खेल को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। बहरहाल, खेल की उस मूल आत्मा को अक्षुण्ण रखने की जरूरत है, जिसके चलते फुटबॉल आज दुनिया के सबसे पसंदीदा खेलों में शुमार है।

> “ इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूर्नामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6-4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूर्नामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा।

# इस छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

मनोज कुमार झा

सीजेपी के संसद मार्च के दौरान बलप्रयोग हुआ, जो ऐसे आंदोलनों के मजबूत व टिकाऊ होने का सबूत माना जाता है। इसके अगुआ सोनम वांगचुक के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बावजूद आंदोलन कमजोर नहीं हुआ। बेरोज़गारी, शिक्षा, असमानता और लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं ने इसे व्यापक समर्थन दिलाया है।

कल दोपहर, जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने – जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती-अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ़ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमज़ोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा।

तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की ज़बरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो।

जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज़ था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोज़गार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया।

सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नज़रियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश 'नव सामाजिक आंदोलनों' के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्के कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे ;अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है,वह यहां साफ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए।

फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज़्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया- और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने-अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मज़बूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं। इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आंदोलन क्षणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी। सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने-पहचाने चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दर्शाती है, वे खूबियां जिन्हें अक्सर युवाओं से जोड़कर नहीं देखा जाता। इसने दर्शा दिया कि आंदोलन मुख्य नेता के बिना भी चल सकता है। आंदोलन जो शनिवार सुबह अपने सबसे प्रमुख चेहरे को खोने के बाद भी सप्ताहांत भर डटा रहा, और फिर सोमवार को संसद तक मार्च कर सका, क्योंकि इस सवाल का जवाब देने का संकल्प कर रखा था कि क्या टिके रहना किसी एक व्यक्ति पर निर्भर है।

एकत्र होने की भावना इसलिए इतनी व्यापक हो पाई कि इसने नागरिकों के बहुत बड़े वर्ग की नब्ज़ को छुआ; हर कोई अपनी-अपनी चिंताओं की वजह से आया, यहां उन्हें अपनी चिंताओं हेतु साझा भाषा मिली। जाहिर है कि तमाम व्यवस्थाओं को धीरे-धीरे खोखला किया जा रहा, और शिक्षा-जो किसी गणतंत्र द्वारा अपने युवाओं से किया गया सबसे बुनियादी वादा होता है- गिरावट की सबसे बड़ी मिसाल बन गई । तंत्र चलाने वाली सरकार वही है जिसका अनशनरत छात्रों के प्रति रवैया-जैसा आज बेरहमी से साफ हो गया- लाठी व आंसू गैस के गोले बरसाना है।

इस भीड़ को व्यापकता देने वाला एक अंश यह भी कि जो शिकायतें अमूमन अलग-अलग रहती थीं, यहां आकर साझा दुख बन गई। सबसे फौरी हैं लोकतांत्रिक चिंताएं। नागरिकता सिद्ध करने का संकट कई तरह से महसूस किया जा रहा-कौन नागरिक है या किसका हक है, इसको लेकर अनिश्चितता हो या असहमति के लिए कम होती जगह या फिर यह भावना बनना कि आम नागरिक की आवाज़ की अहमियत घट रही है। इसके साथ अन्य सामाजिक चिंताएं भी हैं। विविधतापूर्ण समाज को बांधे रखने वाले ताने-बाने पर लगातार पड़ रहा दबाव, जानबूझकर दिया जा रहा ध्रुवीकरण को बढ़ावा और रोज़मर्रा का शिष्टाचार खत्म होते किसने महसूस नहीं किया? इन सबके पीछे वे आर्थिक दबाव हैं जिनका सबसे ज़्यादा असर युवाओं पर होता है। वे बढ़ती बेरोज़गारी, असमानता और जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसी कई चुनौतियों से जूझ रहे। अलग-अलग वजहों से पैदा हुई शिकायतों का यहां एक साथ आना संकेत है कि यह कोई सीमित विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक व्यापक लोकतांत्रिक चिंता है।

यही वजह है कि मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन जल्द खत्म होने वाला है। सरकारें अक्सर मान लेती हैं कि विरोध-प्रदर्शन बस कुछ समय के लिए होने वाली अस्थाई हलचल हैं, जिन्हें गिरफ़्तारियों, थकाकर कमज़ोर करके या प्रशासनिक पाबंदियों के ज़रिए संभाला जा सकता है। सामाजिक आंदोलनों के जानकार बार-बार ऐसी सोच के ख़तरे बारे चेताते आए हैं। जब कोई आंदोलन एक साझा लोकतांत्रिक पहचान बनाने में सफल हो जाता है, तो उसमें अलग-अलग जगहों और पीढ़ियों के बीच खुद को फिर से पैदा करने की क्षमता बन जाती है। तब यह किसी एक जगह या कुछ गिने-चुने नेताओं पर निर्भर नहीं रहता, क्योंकि यह संवाद, रिश्तों और सामूहिक यादों में रच जाता है। भौतिक स्थलों पर नियंत्रण किया जा सकता है या वहां बैरिकेड लगाए जा सकते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को नहीं रोका जा सकता। हम यह नहीं भूलें कि दमन की हर कार्रवाई में ऐसे नागरिकों का दायरा बढ़ने की संभावना होती है जो सत्ता, न्याय और संवैधानिक नागरिकता के बारे में और मुश्किल सवाल पूछने लगेंगे। हम पहले से ही देश के विभिन्न भागों में इस किस्म के विरोध-प्रदर्शन होते देख रहे हैं।

दो दिनों की अपनी उपस्थिति के दौरान वहां मेरी मुलाकात जिन युवाओं से हुई, उन्होंने मुझमें यकीन जगाया कि यदि वे समावेशिता, नैतिक साहस और लोकतांत्रिक एकजुटता की इस भावना को बनाए रखते हैं, तो यह आंदोलन न सिर्फ़ कायम रहेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की नैतिक शब्दावली को भी समृद्ध करेगा। हर टिकाऊ सामाजिक आंदोलन वर्तमान के विरोध से परे होता है। यह अधिक न्यायपूर्ण भविष्य की कल्पना करने का निमंत्रण भी होता है।

चुनावों से इतर, लोकतंत्र उन नागरिकों के ज़रिए खुद को नया रूप देता है जो उम्मीद नहीं तजते और साझी करुणा के आधार पर एकजुट हो जाते हैं। वे यह समझते हैं और इस बात पर ज़ोर देते हैं कि संविधान प्रदत वादा एक जीवंत सच्चाई बना रहना चाहिए।

**लेखक राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद हैं।**

# इतिहास बोझ नहीं, बल्कि एक विरासत है

एन. रघुरामन

जब भी मैं मेहमानों को मुंबई के अंधेरी-कुर्ला रोड लेकर जाता हूं तो बताता हूं कि 1940 से 1980 के दशक तक यह इलाका बॉम्बे (अब मुंबई) के सबसे व्यस्त फिल्म निर्माण केंद्रों में से एक हुआ करता था। मोहन स्टूडियो में मुगल-ए-आजम, देवदास और बंदिनी जैसी महान फिल्में शूट हुई थीं। मुगल-ए-आजम के लिए के. आसिफने यहां लाहौर किले की तर्ज पर आइकनिक शीश महल का सेट बनवाया था। करीब 150 फीट म 80 फीट म 35 फीट का यह सेट बनाने में दो साल लगे, जिसमें फिरोजाबाद के कारीगरों द्वारा तैयार बेल्जियम ग्लास के हजारों टुकड़े लगाए गए थे।

1950 के दशक के आखिर में बने इस सेट पर 15 लाख रुपए से अधिक खर्च हुए, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। लेकिन जब मैं उन्हें यह विडंबना बताता हूं कि उस स्टूडियो में महिलाओं के लिए ढंग का वॉशरूम तक नहीं था, तो वे मेरी ओर संदेह से देखते हुए सोचते हैं कि ऐसा कैसे संभव है। वे हमेशा पूछते हैं कि जो स्टूडियो मैनेजमेंट सेट पर इतना खर्च कर सकता था, वह उन अभिनेत्रियों के लिए टॉयलेट क्यों नहीं बनवा सका, जिनके कारण थिएटरों में भीड़ उमड़ती थी।

फिर मैं उनसे कहता हूं कि अभिनेत्री वहीदा रहमान के बारे में सर्च करो, जो बताती थीं कि वे शूटिंग के दौरान पानी पीने से बचती थीं। आशा पारेख ने भी एक बार कहा कि वह भाग्यशाली रहीं, जो लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान लगातार वॉशरूम जाने को टालती थीं, लेकिन उन्हें कभी किडनी की समस्या नहीं हुई।

रेणुका शहाणे ने भी कहा था कि 1990 के दशक में भी फिल्म सेटों पर कई महिलाएं पानी पीने से बचती थीं, क्योंकि वहां वॉशरूम गंदे और इस्तेमाल लायक नहीं होते थे। सिनेमाई भव्यता और अभिनेत्रियों की इन कठिनाइयों के विरोधाभास को सुनने के बाद मेहमान पूछते हैं कि 'क्या हम वह स्टूडियो देख सकते हैं?'

दुर्भाग्य से मैं उन्हें उस दौर की एक ईंट तक नहीं दिखा सकता। स्टूडियो गायब हो चुका है और उसकी जगह अब रिहायशी इमारतें हैं। मैं बात को यह कह कर खत्म करता हूं कि 'जब कोई स्टूडियो खत्म होता है तो उसके साथ भारतीय सिनेमा का एक पूरा चैप्टर समाप्त हो जाता है और इतिहास का एक हिस्सा भी भुला दिया जाता है।'

मंगलवार को मेरे साथ वेस्ट शिकागो से आए मेहमान थे। उन्होंने तुरंत कहा, 'भगवान का शुक्र है कि इलिनॉय में लंबे समय से उपेक्षित पड़े 1913 में बने एक कमरे वाले स्कूल को आखिरकार सुधारा जा रहा है। अब वहां जिले के इंस्ट्रक्शनल कोच बैठेंगे, जो टीचिंग और लर्निंग में स्थानीय स्कूलों की मदद करेंगे।' यह स्कूल अब एक जीवंत एजुकेशनल रिसोर्स बनेगा, जिससे युवा शिक्षक समझ सकेंगे कि कभी अमेरिका में आम रहे एक कमरे वाले स्कूल वास्तव में कैसे दिखते थे। एक एकड़ से भी कम जमीन पर फैली यह इमारत अब महज इतिहास की किताबों में दर्ज होकर नहीं रह जाएगी, बल्कि भावी शिक्षकों को शिक्षण के विकास के बारे में बताती रहेगी।

हाल ही में दिल्ली यात्रा के दौरान मेरी मुलाकात साउथ एक्सटेंशन के एक स्थानीय इतिहासकार से हुई। उन्होंने एक रोचक किस्सा सुनाया कि उनके इलाके का यह नाम कैसे पड़ा। उनके अनुसार इस कॉलोनी का नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इसे कनॉट प्लेस के आसपास ब्रिटिशों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली के दक्षिणी एक्सटेंशन के तौर पर विकसित किया गया था।

हालांकि इसका कोई आधिकारिक प्रमाण नहीं है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इसका नाम उसी भौगोलिक क्षेत्र से आया है, जहां कभी 'साउथ-एंड रोड' नामक सड़क हुआ करती थी। चूंकि बाद में उस सड़क का नाम पीलू मोदी रोड कर दिया गया तो इससे एक पेचीदा ऐतिहासिक डिस्कनेक्ट पैदा हो गया।

आने वाली पीढ़ियां सोच सकती हैं कि क्यों किसी इलाके का नाम 'साउथ एक्सटेंशन' रखा गया होगा, जबकि जहां से इसका विस्तार शुरू हुआ, उसके आसपास मिलते-जुलते नाम की कोई जगह है ही नहीं। ऐसे में इस नाम के पीछे का भौगोलिक तर्क कम स्पष्ट हो जाता है और पुराने नक्शों, ऐतिहासिक रिकॉर्ड या इस विषय पर किताबें लिखने वाले इतिहासकारों के बिना दिल्ली के शहरी विकास को समझ पाना मुश्किल हो जाता है। जब पुरानी इमारतें तोड़ी जाती हैं या ऐतिहासिक नाम गायब हो जाते हैं तो हम केवल ईंटें, सड़कें या लैंडमार्क्स ही नहीं खोते, बल्कि हमारे शहरों, संस्थाओं और पहचान के विकास को समझाने वाली कहानियों को भी मिटा देते हैं।

फंडा यह है कि इतिहास कोई बोझ नहीं है, जिसे ढोना पड़े। यह एक विरासत है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए सहेज कर रखना चाहिए।

# 'छात्रों की गूंज' और बदलता चुनावी विमर्श

जयसिंह रावत

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भविष्य की राजनीति में जाति और धर्म के पारंपरिक औजारों के समानांतर रोजगार, शिक्षा और समान अवसर भी उतने ही प्रभावशाली चुनावी मुद्दे बनने जा रहे हैं।

उत्तराखंड की राजनीति पारंपरिक रूप से राष्ट्रवाद, सैन्य गौरव और धार्मिक अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल ही में देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम ने राज्य और देश की मुख्यधारा की राजनीति को एक नया वैचारिक मोड़ दे दिया है। दो निरंतर कार्यकालों की सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) से जूझ रही भाजपा के खिलाफ विपक्ष के पास मुद्दों का अंबार था। बेरोजगारी और महंगाई जैसे राष्ट्रव्यापी विषयों से लेकर बद्रीनाथ में दान चोरी के कथित विवाद और अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे बेहद संवेदनशील स्थानीय मुद्दों तक, कांग्रेस के तरकश में कई तीर थे।

पूरा राजनीतिक अमला और सत्ता पक्ष इस बात के लिए मुस्तैद था कि लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देहरादून की धरती से इन सभी ज्वलंत मुद्दों पर तीखे तीर चलाएंगे। विशेष रूप से सैन्य बाहुल्य प्रदेश होने के नाते भाजपा को पूरा यकीन था कि राहुल गांधी 'अग्निवीर योजना' को लेकर सरकार को घेरेंगे। यही वजह थी कि राज्य सरकार ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए 17 जुलाई की शाम 5 बजे राहुल के कार्यक्रम से ठीक पहले आनन-फानन में अग्निवीर योजना को लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर डाला और सरकार में 'अग्निवीर प्रकोष्ठ' के गठन जैसी बड़ी घोषणाएं भी कर दीं। सरकार ने विपक्ष के सबसे बड़े हमले की धार को पहले ही कुंद करने की पूरी बिसात बिछा रखी थी।

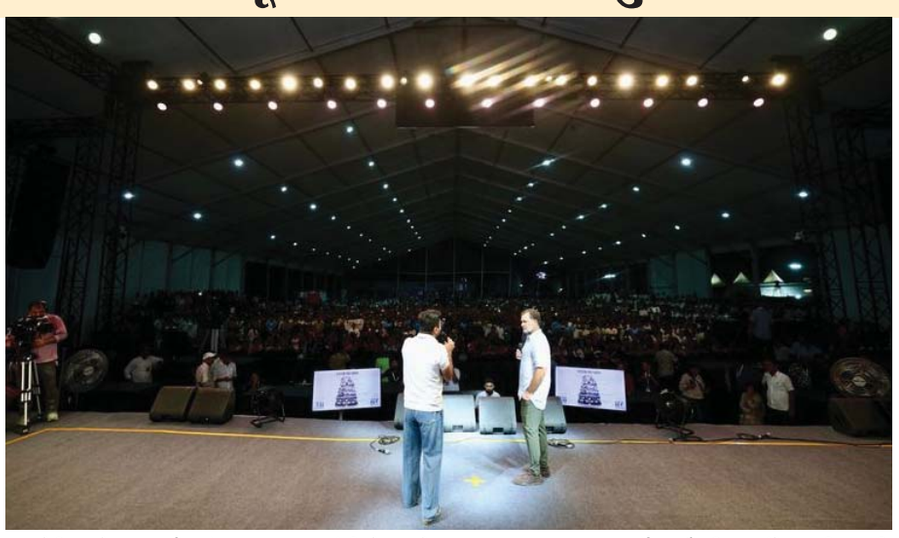

लेकिन देहरादून के मंच पर राहुल गांधी ने न तो अग्निवीर का जिक्र किया और न ही अन्य राजनीतिक विवादों का। राहुल गांधी का पूरा ध्यान केवल और केवल एक मुद्दे पर केंद्रित रहा—'पेपर लीक और छात्रों के भविष्य पर सुनियोजित आघात।'

राहुल गांधी का यह रुख किसी राजनीतिक चूक का परिणाम नहीं, बल्कि एक गहरी और सुनियोजित दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कांग्रेस ने समझ लिया है कि राष्ट्रवाद और सैन्य मुद्दों पर भाजपा को उसकी पिच पर घेरना कई बार आत्मघाती साबित होता है। अग्निवीर पर बोलते ही बहस 'सेना के मनोबल' बनाम 'राजनीति' पर केंद्रित हो जाती, जिससे मूल मुद्दा भटक जाता।

उन्होंने राज्य के अन्य भावनात्मक मुद्दों को छुए बिना अपना पूरा फोकस देश और राज्य के युवाओं की सबसे दुखती रग—'पेपर लीक'—पर रखा। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस की भावी रणनीति के केंद्र में अब 'युवा और छात्र' आ चुके हैं।

इससे पहले कोटा में छात्रों से संवाद के दौरान राहुल गांधी ने वर्तमान शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को 'रिजेक्शन सिस्टम' करार दिया था। देहरादून का कार्यक्रम इसी वैचारिक विमर्श का अगला और अधिक परिपक्व पड़ाव था। यह जनसभा युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार, शिक्षा और अवसरों की उपलब्धता पर केंद्रित एक गंभीर संवाद था।

उत्तराखंड पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं, जैसे यूकेएसएसएससी और लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं, में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर राष्ट्रीय सुर्खियों में रहा है। हालांकि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने त्वरित कदम उठाते हुए देश का सबसे कड़ा 'नकल विरोधी कानून' लागू किया और कई मामलों में गिरफ्तारियां भी कीं। सरकार ने इसे अपनी प्रशासनिक इच्छाशक्ति के रूप में पेश किया, लेकिन विपक्ष लगातार इसे इस रूप में प्रचारित करने में सफल रहा है कि व्यवस्था के भीतर बैठे लोग युवाओं के भविष्य के साथ 'अनंत अन्याय' कर रहे हैं।

राहुल गांधी इसी सामूहिक हताशा को एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय राजनीति दशकों से जातिगत समीकरणों और धार्मिक ध्रुवीकरण के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम ने यह साफ संकेत दे दिया है कि भविष्य की राजनीति में जाति और धर्म के पारंपरिक औजारों के समानांतर रोजगार, शिक्षा और समान अवसर भी उतने ही प्रभावशाली चुनावी मुद्दे बनने जा रहे हैं।

अब सरकार के सामने असली चुनौती यह होगी कि वह केवल कड़े कानून बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि रोजगार और भर्ती व्यवस्था में सुधार के ऐसे ठोस और दृश्यमान परिणाम प्रस्तुत करे, जिससे युवाओं के बीच खोया हुआ भरोसा बहाल हो सके। यदि नियुक्तियां समय पर, बिना किसी धांधली के और पारदर्शी तरीके से होती हैं, तो विपक्ष के इस नैरेटिव की हवा अपने आप निकल जाएगी।

युवा मतदाता आज किसी भी राजनीतिक दल की किस्मत बनाने या बिगाड़ने में सबसे निर्णायक कारक बन चुके हैं। वे सोशल मीडिया के दौर में जी रहे हैं, वे जागरूक हैं और अपनी समस्याओं के राजनीतिकरण को अच्छी तरह समझते हैं।

राहुल गांधी के देहरादून दौरे ने यह साफकर दिया है कि कांग्रेस अब लोकलुभावन और भावनात्मक बहसों के जाल में फंसने के बजाय सीधे उस मोर्चे पर लड़ना चाहती है, जहां सरकार सबसे ज्यादा संवेदनशील है।

**लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।**

## सरकारी सुस्ती और प्राइवेट रॉकेट की चुस्ती

इधर आम आदमी सोच रहा है कि गांव का रास्ता सड़क अभी गड्ढों वाला है, पर चलो शुक्र है, कम से कम स्पेस की तरफ जाने का रास्ता सही है। रॉकेट भी अब प्राइवेट वाला हो गया है। हाल में प्राइवेट रॉकेट विक्रम वन लॉन्च हुआ।

सरकारी रॉकेट और प्राइवेट रॉकेट के चाल-चलन में बड़ा फर्क होता है। सरकारी रॉकेट लॉन्च होने से पहले सात कमेटियां बैठती हैं, ग्यारह फेाइलें घूमती हैं, और लॉन्च की तारीख इतनी बार टलती है कि पड़ोसी पूछने लगते हैं भाई रॉकेट है कि सरकारी शादी, बार-बार मुहूर्त बदल रहा है। प्राइवेट रॉकेट में मामला सीधा है, फंडिंग आई, टेस्टिंग हुई, उड़ान भर दी।

सरकारी रॉकेट का प्रेस नोट होता है वैज्ञानिक शब्दावली से भरा, समझ में कम आता है। प्राइवेट रॉकेट का प्रेस नोट होता है मार्केटिंग कॉपी जैसा, ऑन-डिमांड, रैपिड, गेम-चेंजिंग टाइप जुमलों से भरा हुआ

और सबसे बड़ा फर्क यह कि सरकारी रॉकेट फेल हो तो जांच कमेटी बैठती है, प्राइवेट रॉकेट फेल हो तो अगला फंडिंग राउंड आ जाता है, नाम बदलकर वर्जन टू लॉन्च हो जाता है, फेलियर को लर्निंग कहा जाता है, यही स्टार्टअप कल्चर की असली ताकत है, हारने को भी रणनीति में बदल देना।

नेताओं ने बधाई देनी शुरू कर दी, हर कोई हैशटैग लगाकर बता रहा है कि यह उपलब्धि किस तरह उनकी सोच का विस्तार है, जबकि रॉकेट बनाने में उनका योगदान बस इतना रहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका। इधर आम आदमी सोच रहा है कि गांव का रास्ता सड़क अभी गड्ढों वाला है, पर चलो शुक्र है, कम से कम स्पेस की तरफ जाने का रास्ता सही है।

ट्रंप ने पाक जनरल आसिम मुनीर से कहा—जिस अमेरिका-ईरान समझौते के लिए तू नोबेल शांति अवॉर्ड मांग रहा था, वह चार हफ्ते नहीं चला।

मुनीर— सर मैं तो चाइनीज आइटमों में डील करता हूं, ये चलते कहां हैं। सर शांति डील चाइनीज था, गारंटी नहीं थी, सिर्फपैकिंग अच्छी थी।

इधर विक्रम-1 की कामयाबी पर सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई। हर कोई अपनी प्रोफाइल फोटो के आगे तिरंगा लगाकर लिख रहा है कि आज गर्व का दिन है, जबकि उसका योगदान बस इतना रहा कि उसने लाइव स्ट्रीम के दौरान मोबाइल का डेटा खर्च किया। कुछ लोग तो ऐसे भी थे जो कल तक रॉकेट और सॉकेट सैलरी फर्क नहीं जानते थे, आज एक्सपर्ट बनकर थ्रस्ट और ऑर्बिट पर ज्ञान दे रहे हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544


# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग


प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### जिला अस्पताल दुर्ग में तीन विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों की संविदा भर्ती

**दुर्ग।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास मद के अंतर्गत जिला अस्पताल दुर्ग में रिक्त विषय विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों के पदों पर संविदा भर्ती के लिए वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित की गई है। यह भर्ती 1 अगस्त 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए अस्थायी संविदा नियुक्ति के आधार पर की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार भर्ती के अंतर्गत मेडिकल विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिस्ट एवं पैथोलॉजिस्ट के एक-एक पद सहित कुल 3 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ 27 जुलाई 2026 (सोमवार) को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित वॉक-इन इंटरव्यू में शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी जिले की वेबसाईट www.durg.gov.in में देखा व डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन सुबह 11.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। पात्र अभ्यर्थियों की सूची दोपहर 2 बजे तक प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद दोपहर 2 से 2.30 बजे तक दावा-आपत्ति प्राप्त की जाएगी तथा 2.30 से 3.30 बजे तक उनका निराकरण किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 4 बजे से वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित होगा।

### जिले में अब तक 357.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**दुर्ग।** जिले में 1 जून 2026 से 21 जुलाई 2026 तक 357.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 479.1 मिमी तहसील बोरी में तथा न्यूनतम 249.3 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 397.1 मिमी, तहसील पाटन में 405.5 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 322.1 मिमी और तहसील अहिवारा में 293.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 21 जुलाई 2026 को तहसील दुर्ग में 5.2 मिमी, तहसील धमधा में 1.8 मिमी, तहसील पाटन में 24.1 मिमी, तहसील बोरी में 1.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 5.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 1.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

### वीबी-जी रामजी योजना के तहत जिले में 12,089 मानवदिवस सृजित

**दुर्ग।** ग्रामीण विकास एवं रोजगार सृजन को नई दिशा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा लागू विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन अधिनियम, 2025 के तहत 1 जुलाई 2026 से ग्रामीण क्षेत्रों में वीबी-जी रामजी योजना लागू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन, आधारभूत अधोसंरचना विकास तथा आत्मनिर्भर गांवों के निर्माण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

## रेम्प योजना के अंतर्गत ऋण लेकर कैसे करें व्यापार, वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सीएसआईडी (CSID) द्वारा मंगलवार को उद्यमियों एवं व्यापारियों के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य रेम्प (RAMP) योजना के अंतर्गत उपलब्ध ऋण सुविधाओं की जानकारी देकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) को व्यापार विस्तार के लिए प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा के दौर में व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेना आवश्यक है।

रेम्प योजना उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने, आधुनिक तकनीक अपनाने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने व्यापारियों से योजनाओं की सही जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पहले परिवार का एक सदस्य कमाता था उससे पूरा परिवार पलता था लेकिन परिवार के सभी सदस्यों को व्यापार में मेहनत करनी होगी तभी हम विकसित भारत के स्वप्न को पूर्ण कर पाएंगे। कार्यशाला में जिला उद्योग केंद्र से एसए खान ने रेम्प योजना, ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं भास्कर फाउंडेशन से अतुल सिंह ने उद्यमियों को योजनाओं का प्रभावी उपयोग करने एवं व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उद्यमियों एवं व्यापारियों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछे तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई तथा प्रतिभागियों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने बताया कि भिलाई चेम्बर द्वारा आयोजित कर्मकार व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर 23 जुलाई से स्वावलंबन केंद्र चेम्बर कार्यालय बैकुंठ धाम में प्रारंभ होगा। यह जानकारी प्रचार प्रभारी शंकर सचदेव ने दी।

## पिंक पेट्रोलिंग अभियान : विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दुर्ग पुलिस द्वारा जिलेभर में पिंक पेट्रोलिंग अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस अधिकारियों एवं पिंक पेट्रोलिंग टीम द्वारा विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

अभियान के दौरान थाना खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत पंडित जवाहरलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (हिंदी माध्यम), स्वामी आत्मानंद विद्यालय, श्रीराम चौक में छात्राओं से संवाद स्थापित कर उन्हें महिला हेल्पलाइन-1091, डायल-112, अभिव्यक्ति ऐप एवं महिला सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। छात्राओं को किसी भी प्रकार की समस्या, छेड़छाड़ अथवा संदिग्ध गतिविधि होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही विद्यालय आने-जाने के मार्गों पर घूमने वाले संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की गई।

थाना सुपेला क्षेत्र में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुपेला एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सुपेला में छात्र-छात्राओं को अभिव्यक्ति ऐप, महिला हेल्पलाइन-1091 तथा महिला सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी देकर जागरूक किया गया। थाना पुलगांव क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला पुलगांव में छात्राओं एवं शिक्षकों को अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड कराया गया तथा पिंक पेट्रोलिंग अभियान एवं महिला सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इसी प्रकार थाना भिलाई नगर क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल (कैंप-2), केपीएस स्कूल, स्वामी आत्मानंद स्कूल, बरोडा टैंक स्कूल, शास्त्री कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, भिलाई भट्टी पार्क एवं डीएवी पब्लिक स्कूल सहित विभिन्न स्थानों पर पिंक पेट्रोलिंग कर छात्राओं, अभिभावकों एवं आम नागरिकों को महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव एवं पुलिस सहायता सेवाओं के संबंध में जागरूक किया गया।

उक्त अभियान में संबंधित थाना प्रभारियों, महिला उप निरीक्षकों, पिंक पेट्रोलिंग टीम एवं संबंधित थाना स्टाफ की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही। सभी टीमों द्वारा विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं छात्राओं से संवाद स्थापित करते हुए सुरक्षा का विश्वास दिलाया गया।

दुर्ग पुलिस सभी महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं एवं अभिभावकों से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, पीछा करने, साइबर अपराध अथवा अन्य संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1091 अथवा निकटतम पुलिस थाना को दें। अभिव्यक्ति ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें तथा महिला एवं बालिका सुरक्षा के प्रति जागरूक रहकर सुरक्षित समाज के निर्माण में पुलिस का सहयोग करें।

### जीई फाउंडेशन ने बालिकाओं को दी शैक्षणिक सामग्री

**भिलाई।** महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने बापू नगर, खुर्सीपार में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शैक्षणिक सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा समाज में बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति सकारात्मक संदेश देना था। इस दौरान विद्यालय में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं को नोटबुक एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। साथ ही उन्हें नियमित रूप से विद्यालय जाने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक कंचन महतो ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की सबसे मजबूत नींव है।

## खरीफ फसलों के बीज की वैकल्पित उपलब्धता रखें - संभाग आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने आज क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान रूआबांधा (दुर्ग) के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभागीय समय-सीमा प्रकरणों और काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने मानसून की सक्रियता को ध्यान में रखते हुए संभाग के जिलों में खरीफ फसल बीज की उपलब्धता की जानकारी ली।

संभाग आयुक्त ने कहा कि किसानों द्वारा बोये गये खरीफ बीज अंकुरण नहीं होने की स्थिति में वैकल्पित बीज की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए, साथ ही किसानों को दोबारा बोनी के लिए शीघ्र बीज उपलब्ध करायी जाए। बीज निगम के प्रबंधक ने बताया कि दुर्ग जिले में कृषि विभाग द्वारा खरीफ-2026 के लिए मांग 29827 क्विंटल के विरूद्ध उपलब्धता 30391.76 क्विंटल है। अब तक विभिन्न माध्यम से किसानों हेतु कुल 29643.64 क्विंटल बीज प्रदाय किया गया है। बीज निगम में 7489.12 क्विंटल बीज उपलब्ध है, जिसमें धान 737.10 क्विंटल, अरहर 4.80 क्विंटल के अलावा रागी, कोदो उड़द, मूंग एवं हरी खाद सन का बीज प्रमुख है। जिसे आवश्यकतानुसार कृषक बीज निगम रूआबांधा से क्रय कर सकते हैं। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने जिलों में मृदा स्वास्थ्य परीक्षण लैब की जानकारी लेते हुए कहा कि मानपुर, मोहला एवं खैरागढ़ ने भी उक्त लैब की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए ताकि किसानों को मृदा परीक्षण कराने में सहुलियत हो।

संभाग आयुक्त ने नशा-मुक्ति अभियान पर जोर देते हुए स्कूल-कालेजों एवं पुलिस विभाग के सहयोग से जनजारूकता रैली, नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर लोगों को नशा के दुष्परिणामों से अवगत करायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को संबंधित कार्यालयों में कार्य ई-ऑफिस प्रणाली से ही कराने निर्देशित किया। शासन के निर्देशानुसार मैनुअल फाईल कार्य बंद किया जाए। कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति आधार बेस के माध्यम से उपस्थिति दर्ज निर्धारित समय पर हो, यह सुनिश्चित किया जाए। कार्यालयों में संलग्नीकरण प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है, अधिकारी इसका ध्यान रखें। अधिकारी-कर्मचारियों का निलंबन अवधि लंबे समय तक न हो, साथ ही निलंबन पश्चात बहाल होने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी को विभाग अंतर्गत किसी भी कार्यालय में आवश्यकतानुसार पदस्थ किया जाए। संभाग आयुक्त ने कहा कि बारिश के मौसम में पेयजल की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह परियोजना के कार्य जहां पूर्ण हो गये हैं। ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

यह व्यवस्था संभाग के कवर्धा, खैरागढ़ जिले के पहाड़ी क्षेत्रों के गांवों में भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता को दुर्ग में कन्या छात्रावास के निर्माण कार्य पूर्ण कराने तथा संयुक्त संचालक शिक्षा को स्कूली बच्चों का जाति-आय-निवास व जन्म प्रमाण पत्र शत-प्रतिशत बनवाने निर्देशित किया।

## मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों बच्चियों को मिली साइकिल, अब स्कूल जाना हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव वर्ष 2026-27 छात्राओं के लिए यादगार पल बन गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। जैसे ही छात्राओं ने मुख्यमंत्री के हाथों साइकिल प्राप्त की, उनके चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलकने लगा। योजना से लाभान्वित छात्राओं हर्षिका देवांगन, संध्या पटेल, मेनका सेन और विहारिका देवांगन ने बताया कि अब तक उन्हें विद्यालय आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता

था। घर से स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण प्रतिदिन पैदल चलना पड़ता था। विशेषकर बारिश के मौसम में रास्ते की परेशानी और भी बढ़ जाती थी। कई बार भीगकर स्कूल पहुंचना पड़ता था, जिससे उनकी कॉपी-किताबें भी खराब हो जाती थीं।

छात्राओं ने बताया कि मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल मिलने से उनकी सबसे बड़ी चिंता दूर हो गई है। अब वे समय पर, सुरक्षित और बिना किसी परेशानी के विद्यालय पहुंच सकेंगी। इससे न केवल उनकी पढ़ाई नियमित होगी, बल्कि समय की भी बचत होगी और वे पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी अधिक भाग ले सकेंगी। छात्राओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह साइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनके बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का एक मजबूत माध्यम है।

### पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयुक्त ने ली बैठक

## शहर को हरा-भरा बनाने वृक्षारोपण की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने पर्यावरण संरक्षण एवं भिलाई शहर को अधिक हरा-भरा और सुंदर बनाने के उद्देश्य से संबंधित विभागों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। शहर में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बीएसपी प्रबंधन, सामाजिक संस्थाओं, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, जिला उद्योग केन्द्र सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की आवश्यकता है और शहर के हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए सभी विभागों एवं

सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने वृक्षारोपण को केवल पौधे लगाने तक सीमित न रखते हुए पौधों के संरक्षण एवं उनके पेड़ बनने तक नियमित देखभाल पर विशेष जोर दिया। बैठक के दौरान वृक्षारोपण के लिए उपयुक्त स्थलों के चयन, लगाए जाने वाले पौधों की ऊंचाई एवं प्रजाति, पौधों की सुरक्षा, नियमित सिंचाई की व्यवस्था तथा पौधों के रखरखाव की जिम्मेदारी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक संस्थाओं, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य संगठनों को अभियान से जोड़कर अधिक से अधिक संख्या में पौधारोपण करने तथा उनकी देखरेख सुनिश्चित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

आयुक्त ने शहर के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताते हुए सभी संस्थाओं से सक्रिय सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि भिलाई को स्वच्छ एवं सुंदर शहर के साथ-साथ हरित शहर के रूप में विकसित करने के लिए निगम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और औद्योगिक क्षेत्र की सहभागिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बैठक में पीएम सूर्य घर योजना को लेकर भी आवश्यक चर्चा की गई। जल संरक्षण के दिशा में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापना के संबंध में चर्चा हुई। जल संरक्षण वर्तमान परिवेश में सबसे बड़ी आवश्यकता है । के लिए समस्त शहर वासियों को अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण या बोरवेल को रिचार्ज करना होगा, जिससे जलस्तर को बेहतर किया जा सके । इसके निर्माण हेतु मात्र 10000 से 15000 रुपए व्यय होना है। इससे आने वाले समय में पानी की दिक्कत नहीं होगी।

योजना के प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ दिलाने के संबंध में उपस्थित प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार, जल संरक्षण और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में मिलकर कार्य करने पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्य अभियंता अजीत तिग्गा, वेशराम सिन्हा, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, उप अभियंता श्वेता महेश्वर सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

## खास-खबर

### प्रयोगशाला परिचालक भर्ती परीक्षा 26 जुलाई को

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल, रायपुर द्वारा आयोजित प्रयोगशाला परिचालक के रिक्त पदों पर लिखित भर्ती परीक्षा (पीएसएलए-26) का आयोजन 26 जुलाई 2026 (रविवार) को जिले के 52 परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा। परीक्षा प्रात: 10:00 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित होगी। इस संबंध में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सोसायटी सभाकक्ष में ब्रीफिंग मीटिंग आयोजित की गई। परीक्षा के सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर उत्तम प्रसाद रजक को नोडल अधिकारी तथा विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर के रोजगार अधिकारी केदारनाथ पटेल को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा में कुल 16 हजार 987 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण 26 जुलाई को प्रात: 6 बजे जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर, रायपुर से किया जाएगा।

### छत्तीसगढ़ में मानसून की चाल: प्रदेश में अब तक 356.2 मिमी वर्षा दर्ज

**रायपुर।** राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा 21 जुलाई 2026 की स्थिति में जारी आंकड़ों के मुताबिक, 1 जून से अब तक प्रदेश में औसतन 356.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि की सामान्य औसत वर्षा 408.7 मिलीमीटर का 87.1 प्रतिशत है। बीते 24 घंटों में पूरे राज्य में औसतन 21.7 मिलीमीटर पानी गिरा है, जिसमें गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला 69.4 मिलीमीटर बारिश के साथ सबसे आगे रहा है।

### केंद्रीय विद्यालय के नवीन भवन का हुआ उद्घाटन

**रायपुर।** राष्ट्र निर्माण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में केंद्रीय विद्यालय, ग्रुप केंद्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल आरंग के नवीन भवन का उद्घाटन समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में शिक्षा, अनुशासन, संस्कार और उत्कृष्टता के नए अध्याय की शुरुआत हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के मध्य अंचल के विशेष महानिदेशक दीपक कुमार रहे। वहीं छत्तीसगढ़ सेक्टर CRPF के महानिरीक्षक शालिन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

### पहले उगाया ढैंचा, फिर करेंगे धान की रोपाई

**रायपुर।** खेती की बढ़ती लागत और मिट्टी की घटती उर्वरता के बीच रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के प्रगतिशील कृषक चंद्रशेखर पटेल ने प्राकृतिक खेती का ऐसा मॉडल तैयार किया है, जो जिले के किसानों के लिए प्रेरणा बन रहा है। उन्होंने इस खरीफ सीजन में सुगंधित जवांफूल धान की खेती से पहले अपने चार एकड़ खेत में ढैंचा (हरी खाद) की बुवाई की। वर्तमान में खेत में खड़ा ढैंचा लगभग छह फीट ऊंचाई तक पहुंच चुका है और पूरे खेत में हरियाली की चादर बिछी हुई है। कृषक चंद्रशेखर पटेल ने बताया कि ढैंचा को अभी लगभग 20 दिन और खेत में रहने दिया जाएगा। इसके बाद जवांफूल धान की रोपाई से दो से तीन दिन पहले ट्रैक्टर से जुताई कर पूरे ढैंचा को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। मिट्टी में दबने के बाद ढैंचा सड़कर प्राकृतिक हरी खाद में परिवर्तित हो जाएगा, जिससे खेत को भरपूर जैविक पोषण मिलेगा।

# स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय और मुहिम फाउंडेशन के बीच एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, अंबिकापुर (सरगुजा) और मुहिम फाउंडेशन फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन के बीच मंगलवार को एक गैर-आर्थिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास, 21वीं सदी के अनुरूप कौशलों का संवर्धन तथा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।

### युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता को मिलेगा बढ़ावा

एमओयू के तहत महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नेतृत्व विकास, नवाचार, प्रभावी संवाद, सामाजिक समस्याओं के समाधान और सामाजिक उद्यमशीलता जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही छात्रों को अपने अकादमिक अध्ययन को समाज की वास्तविक आवश्यकताओं और विकास कार्यों से जोड़ने का अवसर भी मिलेगा।

इस सहयोग के माध्यम से विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशल को सशक्त बनाया जाएगा। छात्र नेतृत्व आधारित एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिनके माध्यम से स्थानीय समुदाय की समस्याओं का अध्ययन कर उनके व्यावहारिक समाधान विकसित किए जाएंगे। इसके अलावा लीडरशिप वर्कशॉप, स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम, नीति संवाद, संगोष्ठियों और सामुदायिक आउटरीच गतिविधियों के जरिए युवाओं में नेतृत्व, नागरिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित की जाएगी। मेंटोरशिप एवं मार्गदर्शन के माध्यम से सामाजिक और उद्यमशील पहलों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा को समाज की वास्तविक जरूरतों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। यह साझेदारी विद्यार्थियों को केवल रोजगार के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए भी तैयार करेगी।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय, अंबिकापुर का यह प्रयास संस्थान की अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्लाह, प्रोफेसर डॉ. एन मैरी खालको, डॉ. निलाभ कुमार, डॉ. सुशील कुमार तथा मुहिम फाउंडेशन की ओर से ऋषिकेश, आकृति और रोज उपस्थित रहे।

# आधुनिक खेती का नया अध्याय: अब सहकारी समितियों के जरिए किसानों को मिलेगी 'ड्रोन स्प्रेयर' की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़ने की दिशा में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जिले की 5 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 'ड्रोन स्प्रेयर' सुविधा की आधिकारिक शुरुआत की गई है। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने नवीन कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर इस महत्वाकांक्षी पहल का शुभारंभ किया।

### राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने किया योजना का शुभारंभ

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित ड्रोन पायलटों ने बारिश की हल्की फुहारों के बीच ड्रोन स्प्रेयर का सफल प्रदर्शन किया। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से उर्वरक और कीटनाशकों के सटीक छिड़काव, समय की बचत, कम लागत और बेहतर कृषि प्रबंधन की तकनीक को प्रदर्शित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि आज का दिन जिले के कृषि इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने जैसा है। ड्रोन तकनीक से कम समय में अधिक क्षेत्रफल में छिड़काव संभव होगा, जिससे रसायनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही किसानों के श्रम और लागत में भारी कमी आएगी। खेतों में सीधे जाने की आवश्यकता न होने से फसलों को होने वाले नुकसान से भी बचाव होगा। उन्होंने आगे कहा कि 'ड्रोन दीदी' पहल से ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को कौशल विकास के साथ आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे।

### रासायनिक खेती छोड़ प्राकृतिक व जैविक खेती अपनाएं किसान

मंत्री वर्मा ने रासायनिक रसायनों के दुष्प्रभावों पर चिंता जताते हुए किसानों से जैविक व प्राकृतिक खेती की ओर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारी प्राचीन कृषि परंपराएं ही सतत (सस्टेनेबल) खेती का आधार हैं। जैविक खेती से भूमि की उर्वरा शक्ति बनी रहती है और खाद्यान्न की गुणवत्ता में सुधार होता है। कार्यक्रम में कलेक्टर ने बताया कि जिले की सभी समितियां अब पूर्णत: कंप्यूटरीकृत हो चुकी हैं। ये समितियां 'सीएससी' और मिनी बैंक के रूप में कार्य कर रही हैं, जहां माइक्रो एटीएम की सुविधा भी उपलब्ध है।

### उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी व प्रबंधक हुए सम्मानित

खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 17 समिति प्रबंधकों और ई-पैक्स (म.च.कि) में सराहनीय कार्य करने वाले 10 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में 9 किसानों को केसीसी (ऋण) चेक तथा 2 कृषकों को लर्निंग लाइसेंस का वितरण भी किया गया।

अब किसानों को 10-20 हजार रुपये के आहरण के लिए बड़े बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष,सहित सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

### इन 5 समितियों से मिलेगी ड्रोन की सुविधा

जिले की बलौदाबाजार, कसडोल, बया, गिर्रा (पलारी) और दामाखेड़ा (सिमगा) सहकारी समितियों में फिलहाल 11 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। चालू वर्ष में सहकारिता विभाग ने ड्रोन के माध्यम से लगभग 50 हजार एकड़ क्षेत्र में छिड़काव का लक्ष्य तय किया है। किसानों को अपनी संबंधित समिति में जाकर छिड़काव की तिथि और रकबा (क्षेत्रफल) बताकर पर्ची कटवानी होगी। तय तिथि पर ड्रोन पायलट के साथ मशीन किसान के खेत पर पहुंचेगी। किसान को केवल खाद या कीटनाशक उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए प्रति एकड़ एक निर्धारित शुल्क देय होगा।

# स्वच्छ पेयजल की दिशा में बड़ी पहल: सार्वजनिक हैंडपंपों का हुआ क्लोरीनेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम अक्तवार एवं घघरा में सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा जल जनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम करना है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशानुसार एवं सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में विभाग की तकनीकी टीम एवं हैंडपंप टेक्निशियनों ने सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में निर्धारित मानक के अनुसार 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर क्लोरीनेशन किया। इस प्रक्रिया से पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं एवं संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों का प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया गया।

अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, जल गुणवत्ता बनाए रखने तथा जल संरक्षण के महत्व के संबंध में भी जागरूक किया। ग्रामीणों ने विभाग की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए सार्वजनिक जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और सुरक्षित पेयजल के संरक्षण में सहयोग करने का संकल्प लिया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल गुणवत्ता संरक्षण एवं क्लोरीनेशन संबंधी अभियान लगातार संचालित किए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके तथा जल जनित रोगों की रोकथाम प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

# सुशासन सरकार की प्रभावी पहल सेवा सेतु से समय पर मिल रही सेवाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासकीय सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और जन सुलभ बनाने के निरंतर प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सेवा सेतु के माध्यम से नागरिकों को समयबद्ध, सहज एवं बिना अनावश्यक भागदौड़ के शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि सेवा सेतु के प्रति नागरिकों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। यह पहल सुशासन की प्रभावी पहचान बनकर उभर रही है।

कोरबा जिले के ग्राम खैरभवना निवासी सुशीला बाई को अपनी पुत्री सानिया कुमारी, जो कक्षा 9वीं की छात्रा हैं, के विद्यालयीन कार्य एवं आवश्यक शैक्षणिक औपचारिकताओं के लिए आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। पूर्व में ऐसे दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सेवा सेतु के माध्यम से यह प्रक्रिया अब कहीं अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो गई है।

आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सुशीला बाई ने सेवा सेतु के कलेक्ट्रेट परिसर स्थित केंद्र में पहुंचकर आवेदन प्रस्तुत किया। केंद्र में उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका आवेदन सहजता से स्वीकार किया गया। आवेदन के निराकरण के बाद उन्हें तय समय-सीमा के भीतर आय प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया गया। समय पर दस्तावेज प्राप्त होने से उनकी पुत्री के विद्यालय संबंधी आवश्यक कार्य बिना किसी बाधा के पूरे हो सके और उन्हें अनावश्यक भागदौड़ से भी राहत मिली।

उन्होंने बताया कि आवेदन से लेकर आय प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक की पूरी प्रक्रिया अत्यंत सरल, पारदर्शी और सुगम रही। कहीं भी अनावश्यक विलंब या परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि सेवा सेतु जैसी व्यवस्था से आम नागरिकों को समयबद्ध शासकीय सेवाएं घर के नजदीक और सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

# छू लो आसमान की बेटियों ने भरी सफलता की उड़ान, नीट-यूजी में शानदार प्रदर्शन से बढ़ाया दंतेवाड़ा का मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** दंतेवाड़ा जिले के छू लो आसमान कन्या आवासीय कोचिंग सेंटर, कारली की छात्राओं ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। छात्राओं की सफलता से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित मार्गदर्शन और छात्राओं की मेहनत का परिणाम है।

संस्था की छात्रा दीपा मरकाम ने 412 अंक प्राप्त कर सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा नेहा नायक ने 388 अंक, उर्वशी ठाकुर ने 375 अंक, तनिषा दास ने 355 अंक, वासनी कोवाशी ने 345 अंक, दिव्यांजलि मोड़ियामी ने 317 अंक, पारो मरकाम ने 312 अंक, प्रार्थना सोरी ने 310 अंक, रानू कुंजाम ने 308 अंक तथा रिंकी नाग ने 300 अंक प्राप्त किए।

इन छात्राओं को काउंसलिंग के माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस, आयुर्वेद और पशु चिकित्सा जैसे चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अवसर मिलेगा। छात्राओं की सफलता उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन, नियमित टेस्ट सीरीज़ और अनुशासित अध्ययन वातावरण का परिणाम है।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर और जिला मिशन समन्वयक हरीश गौतम ने भी छात्राओं से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष मुड़ामी ने विशेष रूप से अपने क्षेत्र की सफल छात्राओं और उनके परिजनों से घर जाकर मिलने की बात भी कही।

### 'सरकारी पहल से साकार हो रहे सपने'

सफल छात्राओं ने अपनी उपलब्धि का श्रेय छू लो आसमान् संस्था के शिक्षकों और मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने भविष्य में चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया। साथ ही दंतेवाड़ा में शासकीय मेडिकल कॉलेज शुरू होने पर खुशी जताते हुए आगे की पढ़ाई वहीं करने की इच्छा भी व्यक्त की।

### 'बेटियों के सपनों को मिल रही नई उड़ान'

'छू लो आसमान' कन्या आवासीय कोचिंग सेंटर यह साबित कर रहा है कि दूरस्थ अंचलों की बेटियों को यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सही मार्गदर्शन और अवसर मिले, तो वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। यह सफलता जिले की अन्य छात्राओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

**प्रवासन, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश तथा कृषि परिवारों के स्थिति आकलन सर्वेक्षण का क्षेत्रीय कार्य शुरू**

# राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के 81वें दौर का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ द्वारा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 81वें दौर के अंतर्गत प्रवासन सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण तथा कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण का क्षेत्रीय सर्वेक्षण कार्य जुलाई 2026 से प्रारंभ कर दिया गया है।

यह सर्वेक्षण जून 2027 तक संचालित किया जाएगा। इन तीनों राष्ट्रीय महत्व के सर्वेक्षणों का उद्देश्य राज्य एवं देश की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से संबंधित विश्वसनीय आंकड़ों का संकलन करना है, ताकि साक्ष्य-आधारित नीतियों, योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों के निर्माण में इनका प्रभावी उपयोग किया जा सके।

**प्रवासन की बदलती प्रवृत्तियों का होगा आकलन:** प्रवासन सर्वेक्षण के माध्यम से व्यक्तियों एवं परिवारों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण के कारणों, प्रवास की अवधि, रोजगार, शिक्षा, विवाह तथा अन्य सामाजिक-आर्थिक कारकों से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी। इस सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े देश में प्रवासन की प्रवृत्तियों तथा उसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेंगे।

**परिवारों की वित्तीय स्थिति का मिलेगा व्यापक चित्र:** अखिल भारतीय ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण के तहत परिवारों की ऋणग्रस्तता, ऋण के स्रोत, निवेश के स्वरूप, परिसंपत्तियों तथा देनदारियों से संबंधित जानकारी संकलित की जाएगी। इससे नागरिकों की वित्तीय स्थिति, ऋण तक पहुंच तथा वित्तीय समावेशन के स्तर का समग्र आकलन किया जा सकेगा।

**कृषि परिवारों की आय और जीवन स्तर का होगा अध्ययन:** कृषि परिवारों का स्थिति आकलन सर्वेक्षण कृषि परिवारों की आय, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों, कृषि लागत, संसाधनों की उपलब्धता, ऋण की स्थिति तथा जीवन स्तर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगा। सर्वेक्षण के निष्कर्ष कृषि क्षेत्र की नीतियों तथा किसान कल्याण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त सभी जानकारियां सांख्यिकी अधिनियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार पूर्णत: गोपनीय रखी जाएंगी तथा उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ ने राज्य के चयनित परिवारों से अपील की है कि वे सर्वेक्षण दल को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। नागरिकों के सहयोग से प्राप्त गुणवत्तापूर्ण आंकड़े राज्य एवं देश के विकास के लिए प्रभावी नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# क्या काजल अग्रवाल ने सलमान खान पर साधा निशाना?

## बॉलीवुड को साउथ से ये चीज सीखने की दी सलाह.....

**अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड और दक्षिण सिनेमा की तुलना की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने क्यों बॉलीवुड के आगे साउथ सिनेमा को तरजीह दी। उन्होंने सलमान खान को लेकर एक खुलासा किया है।**

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में उन्होंने इस बात पर विचार किया कि उन्होंने बॉलीवुड की तुलना में दक्षिण सिनेमा को प्राथमिकता क्यों दी, उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म उद्योग दक्षिण से क्या सीख सकता है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि उन्हें सेट पर सबसे लंबे समय तक सलमान खान के लिए इंतजार करना पड़ा।

### दक्षिण में मिला बेहतर काम

शुभंकर मिश्रा के साथ बातचीत में काजल ने खुलासा किया कि उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में नहीं कीं। इसकी वजह यह थी कि दक्षिण में उन्हें जो प्रोजेक्ट ऑफर किए जा रहे थे, उनकी गुणवत्ता हिंदी सिनेमा में मिल रहे प्रोजेक्ट से बेहतर थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह की भूमिकाएं वह चाहती थीं, वह दक्षिण में उन्हें मिल रहीं थीं। इसलिए वह बॉलीवुड में औसत भूमिकाएं नहीं करना चाहती थीं।

### बॉलीवुड को दक्षिण से सीख लेनी चाहिए

जब काजल से पूछा गया कि बॉलीवुड को दक्षिण सिनेमा से क्या सीखना चाहिए, तो उन्होंने कहा 'बॉलीवुड को दक्षिण से समय की पाबंदी सीखनी चाहिए। हिंदी फिल्मों में, समय पर कुछ भी नहीं होता है। दक्षिण में वे घड़ी के अनुसार काम करते हैं। मुझे समय पर पहुंचने की आदत है।'

### सलमान खान ने इंतजार कराया

सिकंदर में सलमान खान के साथ काम करने वाली काजल ने खुलासा किया कि वह सुपरस्टार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने के लिए उत्साहित थीं। हालांकि उन्होंने कहा 'सलमान खान ने मुझे सबसे लंबे समय तक इंतजार कराया। मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या हो रहा है। वह दोपहर या शाम के आसपास आते थे, इसलिए मैं जिम जाती थी। जिम सेट पर ही था। मैं दक्षिण सिनेमा की समय की पाबंदी और अनुशासन की आदी हूं।'

### काजल का वर्कफ्रंट

काजल अगली बार 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आएंगी। चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

# पति के साथ हुई रोमांटिक, जेनिफर विंगेट ने शेयर की शादी की नई तस्वीरें

जेनिफर विंगेट ने 16 जुलाई को अपने लंबे समय से पार्टनर रहे विलियम इश्माएल से शादी कर ली है। उन्होंने अपनी शादी की ताजी तस्वीरें शेयर की हैं। जेनिफर विंगेट ने यूके में एक छोटे से समारोह में अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड विलियम इश्माएल से शादी कर ली है। शनिवार शाम को, जेनिफर विंगेट ने अपनी शानदार शादी की तस्वीरें शेयर कीं और इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने अपनी शादी की कई शानदार तस्वीरें पोस्ट की हैं।

इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह विलियम की बाहों में हैं। अन्य तस्वीरों में उनका ब्राइडल लुक, कढ़ाई वाला घूंघट खूबसूरत लग रहा है। एक तस्वीर में वह अपने जीवनसाथी के साथ सीढ़ियों से नीचे उतर रही हैं। एक और तस्वीर में वह अपने पिता को गले लगाते हुए एक भावुक हो रही हैं।

### कब हुई शादी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेनिफर विंगेट और विलियम इश्माएल ने गुरुवार, 16 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम में एक छोटे से समारोह में शादी की। शादी में केवल परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। जेनिफर और विलियम के डेटिंग करने की अफवाहें काफी समय से चल रही थीं, लेकिन इस जोड़े ने अपने रिश्ते पर चुप्पी साधे रखी थी।

### कौन हैं विलियम?

विलियम इश्माएल सिंगापुर में रहने वाले एक फाइनेंस प्रोफेशनल हैं। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, वह 2022 से एमएचसी डिजिटल ग्रुप में बिजनेस डेवलपमेंट और ट्रेडिंग के डायरेक्टर हैं।

### पहले हो चुकी जेनिफर की शादी

जेनिफर की शादी पहले टेलीविजन अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से हुई थी। यह पूर्व जोड़ा नवंबर 2014 में अलग हो गया था और 2016 में उनका तलाक आधिकारिक तौर पर पूरा हो गया था।

# क्या अरिजीत सिंह कर रहे प्लेबैक सिंगिंग में वापसी?

## 'आवारापन 2' के गाने के रिलीज होने पर टीम ने दी सफाई

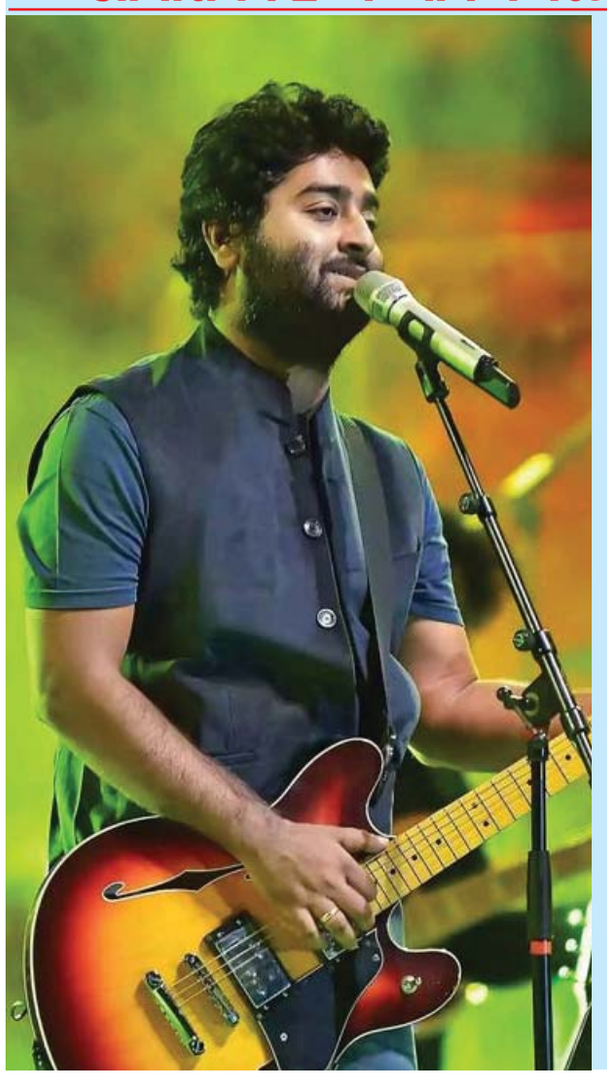

अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट के एलान के बाद उनके कई गाने रिलीज हुए हैं। इस पर उनके फैंस यह जानना चाहते हैं कि क्या अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग में वापसी की है? इस पर उनकी टीम ने जवाब दिया है।

इस साल जनवरी में सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट का एलान करके सबको चौंका दिया था। हालांकि, जनवरी के बाद भी उनके कई नए गाने रिलीज हुए। मंगलवार को अपकमिंग फिल्म 'आवारापन 2' का गाना 'ये आवारापन' रिलीज हुआ। गाना रिलीज होने के बाद उनके फैंस सोचने लगे कि क्या उन्होंने प्लेबैक सिंगिंग में वापसी की है।

### टीम ने दिया जवाब

हालांकि, उनकी टीम ने द प्रिंट से बताया कि सिंगर वापसी नहीं कर रहे हैं। उनके जो गाने रिलीज हो रहे हैं, वे रिटायरमेंट का एलान करने से पहले के करार किए हुए थे। उनके मैनेजर ने कहा 'वह बस उन प्रोजेक्ट्स को पूरा कर रहे हैं जो रिटायरमेंट के एलान से पहले पूरे हो गए थे। अरिजीत प्लेबैक सिंगिंग में वापसी नहीं कर रहे हैं। ये पुराने करार वाले गाने हैं।'

इस बीच, 'ये आवारापन' गाने को नेटीजंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। 'आवारापन 2' के म्यूजिक से उम्मीदें काफी ज्यादा थीं, क्योंकि पहले पार्ट के गाने बहुत अच्छे थे। दर्शक उन गानों को आज भी याद करते हैं और पसंद करते हैं।

### अरिजीत ने किया रिटायरमेंट का एलान

रिटायरमेंट का एलान करते हुए सिंगर ने एक नोट शेयर किया था, जिसमें लिखा था 'हेलो, सभी को नया साल मुबारक हो। इतने वर्षों तक श्रोता के तौर पर इतना प्यार देने के लिए आप सभी का शुक्रिया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर था।'

इस बीच 'आवारापन 2' 14 अगस्त, 2026 को रिलीज होने के लिए तैयार है। अब तक हमने 'आवारापन 2' के दो गाने सुने हैं और दोनों को ही नेटीजंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है। अब, हर कोई फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहा है।

# जिम के बाद उपकरणों को क्यों पोंछना चाहिए? जानिए इसका महत्व

जिम में व्यायाम करते समय कई लोग उपकरणों का उपयोग करते हैं। इन उपकरणों पर कई अन्य लोगों का पसीना और अन्य तरल पदार्थ हो सकते हैं। इसलिए जिम के बाद इन उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि जिम के बाद उपकरणों को पोंछना क्यों जरूरी है और इसे कैसे सही तरीके से किया जा सकता है।

### जिम उपकरणों पर जमा होते हैं कीटाणु

जिम उपकरणों पर कई लोगों का पसीना और अन्य तरल पदार्थ जमा होते हैं, जो कि कीटाणुओं का एक बड़ा स्रोत हो सकते हैं।

इन कीटाणुओं के संपर्क में आने से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि त्वचा की जलन, संक्रमण या अन्य बीमारियां। इसलिए जिम के बाद उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है ताकि ये कीटाणुओं से मुक्त रहें और आपकी सेहत सुरक्षित रहे।

### संक्रमण फैलने का खतरा होता है अधिक

अगर आप जिम उपकरणों को नहीं पोंछते हैं तो इससे बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर अगर कोई व्यक्ति बीमार हो तो उसके पसीने के कण दूसरे लोगों तक पहुंच सकते हैं और उन्हें भी बीमार कर सकते हैं। इसलिए जिम के बाद उपकरणों को पोंछना बहुत जरूरी है ताकि बीमारी फैलने का खतरा कम हो सके और सभी लोग सुरक्षित रहें।

### व्यक्तिगत सफाई बनाए रखना है जरूरी

जिम उपकरणों को पोंछने से न केवल उपकरण साफ रहते हैं बल्कि आपकी व्यक्तिगत सफाई भी बनी रहती है। जब आप खुद अपने उपयोग किए हुए उपकरण को साफ करते हैं तो आपको यह एहसास होता है कि यह कितना जरूरी है कि आप दूसरों की सेहत का ध्यान रखें। इसके अलावा इससे आपको अपने स्वास्थ्य और सफाई के प्रति जागरूक रहने में मदद मिलती है और आप एक जिम्मेदार जिम उपयोगकर्ता बनते हैं।

### जिम मालिक भी करते हैं प्रोत्साहित

अधिकांश जिम मालिक अपने सदस्यों को हमेशा अपने उपयोग किए हुए उपकरण को पोंछने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं ताकि पूरे जिम का माहौल साफ-सुथरा रहे और सभी लोग स्वस्थ रहें। इससे न केवल उपकरणों की उम्र बढ़ती है बल्कि पूरे जिम का माहौल भी बेहतर बनता है।

इसके अलावा इससे अन्य सदस्यों को भी प्रेरणा मिलती है कि वे भी अपनी जिम्मेदारी निभाएं और जिम को साफ-सुथरा रखें।

### अच्छा उदाहरण बनें

जब आप खुद अपने उपयोग किए हुए उपकरण को साफकरते हैं तो आप दूसरों के लिए एक अच्छा उदाहरण बनते हैं। इससे अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं कि वे भी ऐसा ही करें और पूरे जिम का माहौल बेहतर बना रहे।

इस तरह आप न केवल अपनी सेहत बल्कि दूसरों की सेहत का भी ध्यान रखते हैं और एक जिम्मेदार जिम उपयोगकर्ता बनते हैं।

# प्रियंका चोपड़ा ने जन्मदिन पर बधाई देने वालों का किया शुक्रिया, साझा किया खास थैंक्यू पोस्ट



ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा का 18 जुलाई को जन्मदिन था। दुनिया भर से मिले ढेर सारे प्यार और शुभकामनाओं के लिए उन्होंने अपने फैंस और करीबियों का दिल से शुक्रिया अदा किया है।

### प्रियंका ने किया फैंस का शुक्रिया

प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक थैंक्यू नोट शेयर करते हुए लिखा कि वह सबके प्यार और आशीर्वाद के लिए बहुत आभारी हैं। प्रियंका को फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े कलाकारों ने बधाई दी, जिनमें करीना कपूर खान, महेश बाबू और डायरेक्टर एसएस राजामौली शामिल हैं।

### पति निक जोनस की खास बधाई

प्रियंका के जन्मदिन पर उनके पति निक जोनस ने एक बेहद खास तस्वीर शेयर की थी। यह तस्वीर उनकी सगाई के समय की थी, जिसे अब 8 साल पूरे हो चुके हैं। निक ने कैप्शन में लिखा, '8 साल पहले उसने हां कहा था।' प्रियंका ने इस पर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'बहुत आभारी हूं कि तुमने पूछा।'

### 'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा डायरेक्टर एसएस राजामौली की आने वाली बड़ी फिल्म 'वाराणसी' में 'मंदाकिनी' के किरदार में नजर आएंगी। प्रियंका के जन्मदिन के मौके पर राजामौली ने फिल्म से उनके दो नए लुक शेयर किए और लिखा, 'मुस्कुराते समय शालीनता, न मुस्कुराते समय आग।'

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू फिल्म 'वाराणसी' में 'रुद्र' का किरदार निभा रहे हैं। 'वाराणसी' का काम आखिरी दौर में है और यह फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# बीजापुर ने रचा इतिहासः तेंदूपत्ता नीलामी में मिला वर्षों का सर्वाधिक मूल्य, हजारों संग्राहक परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ के बीजापुर वनमंडल एवं जिला यूनियन ने वर्ष 2026 की तेंदूपत्ता नीलामी में नया इतिहास रच दिया है। छत्तीसगढ़ शासन की नई तेंदूपत्ता नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, संग्राहकों की मेहनत और वन विभाग की सतत निगरानी के चलते इस वर्ष तेंदूपत्ता को कई वर्षों का सर्वाधिक मूल्य प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि बीजापुर में गुणवत्तापूर्ण संग्रहण और पारदर्शी प्रबंधन की सफलता का प्रमाण है।

जिला यूनियन की 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से 45 तेंदूपत्ता लॉटों का संग्रहण किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा

आयोजित नीलामी में व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 45 में से 36 लॉटों के लिए निविदाएं प्राप्त होना बीजापुर के तेंदूपत्ता की उत्कृष्ट गुणवत्ता और प्रभावी प्रबंधन पर बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

इस वर्ष नीलामी में कई लॉटों को रिकॉर्ड कीमत मिली है जिसमें 4 लॉटों को 10,000 रुपये प्रति मानक बोरा से अधिक की दर और 8 लॉटों को 9,000 रुपये से अधिक प्रति मानक बोरा का मूल्य प्राप्त हुआ। इसी तरह 4 लॉटों को 8,000 रुपये से अधिक की दर, 10 लॉटों को 7,000 रुपये से अधिक प्रति मानक बोरा का मूल्य और 10 लॉटों को 6,000 रुपये तक प्रति मानक बोरा की दर प्राप्त हुई।

संग्रहण से लेकर उपचारण, भंडारण और नीलामी तक हर चरण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया। इसका परिणाम यह रहा कि हजारों तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को संग्रहण पारिश्रमिक के साथ भविष्य में बोनस का लाभ मिलेगा। इसके अलावा उन्हें लघु वनोपज संघ द्वारा संचालित बीमा, छात्रवृत्ति और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ प्राप्त होगा।

यह उपलब्धि वन विभाग, प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों और संग्राहक परिवारों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। बीजापुर ने एक बार फिर साबित किया है कि गुणवत्तापूर्ण संग्रहण, पारदर्शी व्यवस्था और प्रभावी प्रबंधन से वन आधारित अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। यह सफलता न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि प्रदेश के अन्य वन क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण है।

## खास-खबर

### राज्यपाल डेका से महिला आयोग की अध्यक्ष ने भेंट की

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में राज्य महिला आयोग की नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सौजन्य भेंट की।

### 1.83 करोड़ की लागत से बनेगा ऑडिटोरियम

**रायपुर।** नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने बिलासपुर जिले के रतनपुर नगर पालिका में दो कार्यों के लिए 2 करोड़ 3 लाख 8 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इनकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विकास ने रतनपुर नगर पालिका में ऑडिटोरियम के निर्माण के लिए एक करोड़ 82 लाख 98 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं।

### सौर ऊर्जा से रोशन हो रहा घर

**रायपुर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से मुंगेली जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। योजना के तहत करही मुंगेली के प्रकाश शर्मा ने अपने आवास पर 03 किलोवाट का रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया और बिजली बिल से मुक्ति पा ली है।

# महासमुंद में पहली बार जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन आयोजित

**राज्य के 660 पारंपरिक वैद्यों का होगा प्रमाणन, औषधीय पौधों के संरक्षण और स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा को मिलेगा बढ़ावा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड (वन विभाग) द्वारा महासमुंद वनमंडल के सहयोग से पहली बार जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन का आयोजन वन विद्यालय, महासमुंद में किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा को संरक्षित करना, वैद्यों को शासन की योजनाओं से जोड़ना तथा औषधीय पौधों के संरक्षण को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण से हुई। बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने लाल चंदन, उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने लक्ष्मी तरु तथा बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने रीठा का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलन कर वैद्य सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

### राज्य के सभी जिलों में होंगे वैद्य सम्मेलन

बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज और पारंपरिक वैद्यों ने वर्षों से स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा, पारंपरिक उपचार पद्धति और औषधीय ज्ञान को सुरक्षित रखा है।

इस अमूल्य ज्ञान को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए राज्य के सभी 33 जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के माध्यम से राज्य के 660 पारंपरिक वैद्यों का प्रमाणन कराने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक जिले से लगभग 20 वैद्यों का चयन कर उन्हें प्रमाण-पत्र दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

वैद्यों ने साझा किया पारंपरिक ज्ञान

सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से आए वैद्यों ने जड़ी-बूटियों से उपचार संबंधी अपने पारंपरिक अनुभव साझा किए। उन्होंने वन क्षेत्रों से आवश्यकता अनुसार औषधीय पौधे एकत्र करने में सहयोग की मांग भी रखी। इस पर बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला ने वन अधिकारियों से वैद्यों की समस्याओं के समाधान का आग्रह किया।

महासमुंद वनमंडलाधिकारी मयंक पांडे ने आश्वासन दिया कि नियमानुसार अनुमति लेकर वन क्षेत्रों में जाने वाले वैद्यों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

### वैद्यों के लिए कई हितकारी योजनाएं संचालित

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि बोर्ड द्वारा वैद्यों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें औषधीय पौधों की खेती, विनाश-विहीन विदोहन तकनीक का प्रशिक्षण, हीलर हर्बल गार्डन योजना, स्कूलों में हर्बल गार्डन की स्थापना तथा समूहों को निःशुल्क पल्वराइजर मशीन उपलब्ध कराने जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इन योजनाओं के माध्यम से वैद्यों को तकनीकी और आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन में भाग लेने वाले वैद्यों एवं वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर महासमुंद वनमंडलाधिकारी मयंक पांडे, संयुक्त वनमंडलाधिकारी सु डिम्पी बैस, उपवनमंडलाधिकारी गोविंद सिंह, परिक्षेत्र अधिकारी सियाराम करमाकर, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जिले के पारंपरिक वैद्य, लगभग 50 वैद्य तथा वन प्रबंधन समितियों के 200 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

# बारिश में टपकती छत से पक्के आशियाने तक का सफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के लिए सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का आधार बन रही है। योजना के माध्यम से हजारों जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार हो रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोरा की निवासी श्रीमती क्रांती बाई, पति रामसागर की कहानी भी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है।

कुछ समय पहले तक क्रांती बाई अपने परिवार के साथ एक जर्जर कच्चे मकान में रहती थीं। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था, जिससे परिवार को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण स्वयं पक्का मकान बनवाना उनके लिए संभव नहीं था। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उनका चयन हुआ। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उन्हें आवास निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी मिली। ग्राम पंचायत अमोरा के जनप्रतिनिधियों एवं तकनीकी अमले के सहयोग से समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूरा हुआ।

आज क्रांती बाई का परिवार अपने नए, सुरक्षित और पक्के घर में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर रहा है। वे बताती हैं कि पहले बरसात का मौसम चिंता का कारण बन जाता था, लेकिन अब पक्की छत मिलने से परिवार पूरी तरह सुरक्षित महसूस करता है। उनका कहना है कि यह घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि उनके बच्चों के सुरक्षित भविष्य और परिवार के आत्मसम्मान का आधार है।

# सेवा सेतु पोर्टल बना डिजिटल सुशासन का मजबूत माध्यम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित श्सेवा सेतुश् पोर्टल डिजिटल सुशासन का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। इस पोर्टल के जरिए अब विभिन्न विभागों की 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन मंच पर उपलब्ध हैं। इससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और निर्धारित समय-सीमा में सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

सरगुजा जिले के ग्राम मेंड्राखुर्द निवासी सूरज ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सुविधा का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्हें भूमि पंजीयन (रजिस्ट्री) के लिए जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। उन्होंने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया और मात्र 12 दिनों में उनका जाति प्रमाण पत्र जारी हो गया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से भूमि पंजीयन की पूरी

प्रक्रिया भी बिना किसी बाधा के आसानी से पूरी हो गई। श्री सूरज ने बताया कि पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सेवा सेतु पोर्टल ने पूरी प्रक्रिया को सरल, सुगम और पारदर्शी बना दिया है। उन्होंने कहा कि उनका कार्य बिना किसी परेशानी के समय पर पूरा हुआ, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

# बेलनार को मिला पहला पक्का प्राथमिक विद्यालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजापुर जिले के विकासखंड भैरमगढ़ के सुदूर ग्राम बेलनार में बच्चों के लिए पहला पक्का प्राथमिक विद्यालय भवन तैयार हो गया है। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, बीजापुर द्वारा निर्मित इस नए विद्यालय भवन से अब बच्चों को सुरक्षित, व्यवस्थित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण में पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा।

इंद्रावती नदी के किनारे स्थित बेलनार गांव ग्राम पंचायत मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। लंबे समय तक यहां विद्यालय भवन नहीं होने के कारण बच्चों को कच्ची पाठशाला

और अस्थायी शेड के नीचे पढ़ाई करनी पड़ती थी। बरसात और गर्मी के मौसम में इससे पढ़ाई प्रभावित होती थी और विद्यार्थियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। शिक्षा विभाग (डी.पी.आई.) की स्वीकृति से बेलनार में नवीन प्राथमिक शाला भवन का निर्माण कराया गया है। भवन निर्माण पूरा होने के बाद अब बच्चे पक्के और सुरक्षित विद्यालय में पढ़ाई कर सकेंगे। इससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और उन्हें बेहतर सीखने का माहौल मिलेगा।

बेलनार क्षेत्र के इस पहले स्थायी विद्यालय भवन से बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को नई दिशा मिलेगी। साथ ही बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और उनकी सीखने की क्षमता में भी सकारात्मक सुधार होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा संबंधी आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। बेलनार में बने इस नए विद्यालय भवन से यह स्पष्ट होता है कि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

यह विद्यालय क्षेत्र के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव साबित होगा।

# श्वेत क्रांति से संवरती ग्रामीण तकदीरः सहकारिता और महिला नेतृत्व से लिखी जा रही आत्मनिर्भरता की नई गाथा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले को अब तक मुख्य रूप से धान के कटोरे के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज यह जिला ग्रामीण समृद्धि और आर्थिक स्वावलंबन का एक नया अध्याय लिख रहा है। कभी व्यक्तिगत और असंगठित स्तर तक सीमित रहने वाला दूध का कारोबार आज जिला प्रशासन, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और स्थानीय पशुपालकों के सामूहिक प्रयासों से एक संगठित आंदोलन का रूप ले चुका है। यह बदलाव केवल दैनिक दूध उत्पादन बढ़ाने की कहानी नहीं है, बल्कि यह वैज्ञानिक पशुपालन, सहकारी निष्ठा और नारी शक्ति के उस अनूठे संगम की मिसाल है, जो गांव-गांव में खुशहाली की नई राहें खोल रहा है।

धमतरी में वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 10 से 15 हजार लीटर दूध का संग्रहण हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 20 हजार लीटर प्रतिदिन पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया गया है। यह आंकड़ा सिर्फ एक संख्या नहीं, बल्कि जिले के 5 से 6 हजार किसान परिवारों और विशेषकर महिला पशुपालकों के जीवन को संवारने का जरिया है। दूध की कीमतें 35-40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये प्रति लीटर

तक पहुंचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। समितियों के माध्यम से पारदर्शी व्यवस्था, डिजिटल भुगतान और सीधे बैंक खातों में पैसे पहुंचने से पशुपालकों को उनकी मेहनत का पूरा और समय पर मूल्य मिल रहा है, जिससे डेयरी व्यवसाय के प्रति ग्रामीण समुदाय का भरोसा लगातार गहरा हुआ है।

धमतरी की श्वेत क्रांति की सबसे खूबसूरत तस्वीर यह है कि इसकी बागडोर महिलाओं के हाथों में है। स्वयं सहायता समूहों और महिला दुग्ध समितियों के जरिए जुड़कर महिलाएं अब केवल घरेलू पशुपालक नहीं, बल्कि सफल डेयरी उद्यमी बन रही हैं। एनडीडीबी के सहयोग से जिले की 43 महिला दुग्ध उत्पादकों को झारखंड के सफल डेयरी मॉडल का अध्ययन कराया गया, जहाँ उन्होंने स्वच्छ दुग्ध उत्पादन और सहकारी प्रबंधन के गुर सीखे। इसी कड़ी में जिले के 19 प्रगतिशील किसानों और समिति पदाधिकारियों को अमूल की जन्मभूमि गुजरात के मेहसाणा भेजा गया, ताकि वे उन्नत नस्ल सुधार और आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीकों को समझ सकें। गुजरात और झारखंड से आधुनिक अनुभव लेकर लौटीं ये महिलाएं और किसान आज धमतरी के अन्य ग्रामीणों के लिए प्रेरणास्रोत और 'मास्टर ट्रेनर' की भूमिका निभा रहे हैं। उत्पादन और संग्रहण को मजबूती देने के बाद अब जिले में दूध के मूल्य संवर्धन पर तेजी से काम हो रहा है। सेमरा-बी, भाठागांव और मुजगहन में चिलिंग प्लांट पहले से कार्यरत हैं, जबकि कुरूद क्षेत्र के लिए नए प्लांट को हरी झंडी मिल चुकी है। जिले के छाती क्षेत्र में एक विशाल और आधुनिक मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट आकार ले रही है। इसके शुरू होते ही स्थानीय स्तर पर दूध की प्रोसेसिंग के साथ-साथ दही, पनीर, मक्खन और पैकेज्ड मिल्क तैयार किया जा सकेगा।

### सहकारिता की संजीदगीः पुनर्जीवित समितियों से बदला परिदृश्य

धमतरी के इस डेयरी मॉडल का सबसे मजबूत स्तंभ सहकारिता की भावना है। कुछ समय पहले तक जो दुग्ध समितियां सुप्त या निष्क्रिय पड़ी थीं, उन्हें विशेष अभियान चलाकर पुनर्जीवित किया गया। आज जिले में 68 से अधिक सक्रिय दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां गतिशील हैं। गांव-गांव में फैले इस नेटवर्क के जरिए दूध का वैज्ञानिक परीक्षण, संग्रहण और व्यवस्थित विपणन संभव हो सका है, जिसने बिचौलियों की भूमिका खत्म कर सीधे किसानों को लाभान्वित किया है।

### निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

**बीजापुर।** जिला परियोजना लाईवलीहूड कॉलेज सोसायटी जिला बीजापुर में जिला प्रशासन एवं आजीविका महाविद्यालय द्वारा पूर्व से विभिन्न व्यवसायों में कार्यरत कुशल व्यक्तियों को औपचारिक मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से रिकग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग आरपीएल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत जल वितरण संचालक, टू-व्हीलर रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिशियन एवं सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेडों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि 05 दिवस की होगी, जिसमें प्रतिदिन 06 घंटे प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से उन व्यक्तियों के लिए है जो संबंधित क्षेत्रों में पूर्व से कार्य कर रहे हैं अथवा जिनके पास उक्त ट्रेडों में व्यावहारिक कौशल एवं अनुभव है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### म्यूल अकाउंट देने वाली महिला और युवक गिरफ्तार

**जांजगीर-चांपा।** चांपा पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला और एक युवक शामिल हैं, जिन्होंने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते साइबर ठगों को उपलब्ध कराए थे। इन खातों के जरिए 18.17 लाख रुपए से अधिक की ऑनलाइन ठगी की रकम का लेनदेन किया गया। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत चांपा पुलिस को समन्वय पोर्टल से जानकारी मिली थी। इसके आधार पर बैंक खातों और तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच की गई। जांच में सामने आया कि आरोपियों द्वारा दिए गए बैंक खातों का इस्तेमाल विभिन्न राज्यों में हुई साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने पिंकी डडसेना (37 वर्ष), निवासी बरपालीकला, थाना नगरदा, जिला सक्ती, और सूरज जांगड़े (24 वर्ष), निवासी हसौद, जिला सक्ती को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

### चाकू दिखाकर लोगों को डरा रहा था युवक, कोर्ट में पेशकर भेजा जेल

**जगदलपुर।** बस्तर पुलिस ने शहर में कानून व्यवस्था बिगाड़ने और आम लोगों में चाकू की नोक पर दहशत फैलाने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक शहर के सनसिटी अटल आवास क्षेत्र में धारदार चाकू लहराकर लोगों को डरा धमका रहा था। शिकायत के बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम रवि बघेल (23) है। ये सनसिटी अटल आवास जगदलपुर का ही रहने वाला है। आरोपी क्षेत्र में धारदार चाकू लहराकर आम नागरिकों को डराता था। इसकी सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से एक धारदार चाकू बरामद कर जब्त किया। पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

### बिस्तर पर लिपटा करैत, सोते मासूम को डसा, इलाज के दौरान बच्ची की मौत

**कोरबा।** कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र के आमाखोखरा गांव में करैत सांप के डसने से 6 साल की बच्ची सान्वी कंवर की मौत हो गई। वह अपने पिता के साथ बिस्तर पर सो रही थी। रात करीब 1 बजे सांप ने उसे डस लिया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उसकी जान नहीं बच सकी। सान्वी के पिता किरण सिंह आमाखोखरा गांव में रहते हैं। वे मजदूरी और खेती कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सान्वी अपने पिता के साथ एक कमरे में सो रही थी, जबकि उसकी मां और दूसरा बच्चा दूसरे कमरे में थे। शुरुआत में परिजनों को लगा कि किसी कीड़े ने काटा है, लेकिन सर्पदंश के लक्षण दिखने पर वे उसे तुरंत कटघोरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज शुरू किया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

# दुर्ग में 55 साल की महिला से दुष्कर्म का था प्रयास विरोध करने पर कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

## दुर्ग पुलिस ने किया अंधेकत्ल का खुलासा : तीन दिन पहले मिला था महिला का अर्धनग्न शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** दुर्ग के पुलगांव थाना क्षेत्र में तीन दिन पहले हुए हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक नशे के आदी हैं और घटना वाले दिन नशे की हालत में महिला से दुष्कर्म करना चाह रहे थे। महिला ने विरोध जताया और पुलिस में शिकायत की धमकी दी तो दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

घटना स्थल के आसपास कई सीसी टीवी कैमरों की फुटेज जांचने के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बोल्डर पत्थर, आरोपियों के घटना समय पहने हुए कपड़े तथा अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जप्त कर प्रकरण में शामिल किए गए। आरोपियों के विरुद्ध धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

बता दें 17 जुलाई को पुलगांव नाला के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल से शिवनाथ नदी की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते के किनारे झाड़ियों में महिला का अर्धनग्न शव मिला था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतका के पति का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपनी बेटी और दामाद के साथ रहती थीं और मजदूरी

कर परिवार का खर्च चलाती थीं। परिजनों के अनुसार महिला 16 जुलाई की शाम घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी तलाश के बाद 17 जुलाई को सिटी कोतवाली थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। कुछ ही घंटे बाद पुलगांव क्षेत्र से उनका शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने घटनास्थल पर महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए थे।

### विशेष टीम का गठन कर की गई जांच

शुरुआती जांच में माना गया कि पत्थर से सिर कुचलने के कारण उनकी मौत हुई। वहीं शव अर्धनग्न हालत में मिलने के कारण दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका भी जताई गई। अंधे कत्ल की प्रतीत होने के कारण तत्काल विशेष पुलिस टीम गठित कर सभी संभावित पहलुओं पर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर भौतिक एवं वैज्ञानिक साक्ष्य संकलित किए गए। आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। साथ ही स्थानीय नागरिकों, मजदूरों, ई-रिक्शा चालकों एवं अन्य संभावित गवाहों से विस्तृत पूछताछ की गई।

### सीसी टीवी फुटेज की जांच में दिखे संदिग्ध

जांच के दौरान पुलिस को ऐसे फुटेज मिले हैं, जिनमें महिला वारदात से पहले दो युवकों के साथ अलग-अलग जगहों पर नजर आई है। इसके बाद से पुलिस का शक इन दोनों युवकों पर गहरा गया है। दोनों युवकों की पहचान नितेश ठाकुर एवं हर्ष यादव के रूप हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पृथक-पृथक पूछताछ की गई। प्रारंभ में वे पुलिस को गुमराह करते रहे, किन्तु वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के समक्ष विरोधाभासी कथन सामने आने पर उन्होंने घटना करना स्वीकार किया।

## भिलाई में दहेज प्रताड़ना से तंग नवविवाहिता ने की आत्महत्या, तीन माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नंदिनी थाना क्षेत्र में लगभग तीन माह पूर्व दहेज प्रताड़ना से तंग आकर नवविवाहिता ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने तीन बाद ससुराल पक्ष के फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों सिमगा क्षेत्र में लुक-छिपकर रह रहे थे।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की और दोनों को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है तथा शीघ्र गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल 2026 को थाना नंदिनी नगर क्षेत्रांतर्गत ग्राम सहगांव निवासी एक नवविवाहिता ने ससुराल पक्ष के सदस्यों द्वारा लगातार दहेज की मांग एवं प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मामले की जांच उपरांत थाना नंदिनी नगर में धारा 80(2), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। अपराध पंजीबद्ध होने की जानकारी मिलते ही आरोपी अपने निवास से फरार हो गए थे।

विवेचना के दौरान लगातार पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी युवराज पटेल एवं ओम प्रकाश पटेल सिमगा क्षेत्र में लुक-छिपकर रह रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विधिवत गिरफ्तारी उपरांत आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

उक्त कार्रवाई में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी, धमधा के मार्गदर्शन में थाना नंदिनी नगर के अधिकारी एवं कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की सफलतापूर्वक गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों का विरोध करें। किसी भी प्रकार की दहेज प्रताड़ना अथवा महिलाओं के विरुद्ध अपराध की सूचना तत्काल पुलिस को दें। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## बालोद में महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म, सड़क किनारे बेसुध मिली महिला, तीन ट्रक चालकों पर आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** बालोद जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। यह मामला सामने आते ही हड़कंप मच गया। महिला सड़क किनारे बेसुध मिली और अस्पताल पहुंचने के बाद उसने तीन ट्रक चालकों द्वारा उसके साथ हुए दुष्कर्म किए जाने की बात बताई। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला कांकेर की रहने वाली है। बालोद से दल्लीराजहरा जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पर्यावरण पार्क के पास महिला बेसुध अवस्था में पड़ी मिली थी। स्थानीय लोगों ने डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 की टीम ने लोगों की मदद से महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान जब पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कराया तो चौंकाने वाली बात सामने आई।

महिला ने अपने बयान में बताया कि तीन अज्ञात ट्रक चालकों ने उसका अपहरण किया और उससे दुष्कर्म किया। महिला के बयान के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस वारदात में तीनों ट्रक चालकों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

## कोरबा वन मंडल की बड़ी कार्रवाईः 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** छत्तीसगढ के कोरबा वन मंडल ने लकड़ी की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 20 घनमीटर अवैध साल लकड़ी बरामद की है। वन विभाग की रणनीतिक कार्रवाई और रायपुर वन मंडल के सहयोग से अंतर-जिला स्तर पर संचालित तस्करी के मामले का खुलासा हुआ। मुख्य आरोपी सुनील कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। वन विभाग कोरबा को सूचना मिली थी कि कोरबा से अवैध रूप से साल लकड़ी का परिवहन कर उसे रायपुर के अभनपुर स्थित एक आरा मिल में बेचा गया है। सूचना के आधार पर विभाग ने जांच शुरू की और संदिग्ध से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने लकड़ी को अभनपुर स्थित आरा

मिल में बेचने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर कोरबा वन मंडल ने पांच वन परिक्षेत्र अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित कर अभनपुर स्थित आरा मिल में छापेमारी की। जांच के दौरान चोरी की गई 20 घनमीटर साल लकड़ी बरामद की गई। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी और दस्तावेजीकरण किया गया।

### 'आरा मिल सील, वाहन भी जब्त'

रायपुर वन मंडल की टीम ने आरा मिल में बड़ी मात्रा में संदिग्ध वनोपज मिलने पर उसे सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान लकड़ी परिवहन में उपयोग किए जा रहे एक ट्रैक्टर, क्रेन सहित अन्य वाहनों को भी जब्त किया गया। बरामद लकड़ी को सुरक्षित रूप से कोरबा के कसनिया डिपो में जमा कराया गया। पूरी कार्रवाई वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देशन में की गई। इस दौरान रायपुर वनमंडलाधिकारी लोकनाथ पटेल तथा कोरबा पुलिस प्रशासन के साथ लगातार समन्वय बनाए रखा गया, जिससे कार्रवाई सफल रही।

मामले में आरोपी के विरुद्ध शासकीय संपत्ति की चोरी और अवैध परिवहन से संबंधित प्रावधानों के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 316(5) के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वन विभाग ने कहा है कि प्रदेश की वन संपदा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध कटाई, परिवहन और तस्करी में शामिल लोगों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। यह कार्रवाई वन संपदा संरक्षण और अवैध वनोपज कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### प्रधान पाठक के घर से 1.17 लाख के जेवर पार

**रायगढ़।** ग्राम बोजिया निवासी बाबूलाल धीरहे (41) पुसल्दा शासकीय प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक हैं। शनिवार दोपहर वह अपने परिवार के साथ सक्ती जिले के टेमर स्थित साढू के घर घूमने गए थे। सोमवार को वापस लौटने पर उन्होंने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखा घर के अंदर पहुंचने अलमारी खुली हुई थी। जांच करने पर सोने का हार, कान की बाली, लॉकेट समेत करीब 1 लाख 17 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवर गायब मिले। घटना की सूचना मिलने पर बाबूलाल धीरहे ने छाल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ चोरी करने वालों की तलाश में जुटी है।


**कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)**
**ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-12**
Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं. 2053/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 दुर्ग, दिनांक 20/07/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग दुर्ग अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2026-27 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रुपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का संपादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29 एवं 30) | 40.00 लाख प्रति ग्रुप |
| 2 | ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग पाटन अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2026-27 एवं पूर्व वित्तीय वर्ष में स्वीकृत कार्य हेतु स्वीकृत रुपये 30.00 लाख तक लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का संपादन करना। (जोनल निविदा ग्रुप क्र. 03) | 40.00 लाख प्रति ग्रुप |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 20.07.2026 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 03.08.2026 तक है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

जी-262702261/5


### शराब के नशे में पड़ोसी के घर लगाई आग, आरापी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर-चांपा।** जिले के अकलतरा थाना क्षेत्र के अंधियारीपाठ गांव में शराब के नशे में पड़ोसी के घर में आग लगाने के आरोप में पुलिस ने 47 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है। आगजनी में घर में रखा करीब 5 हजार रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आरोपी महिला को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, अंधियारीपाठ निवासी रूपेश कुमार सारथी ने शिकायत दर्ज कराई कि 11 जुलाई की रात करीब 11:45 बजे वह अपने भतीजे ईशान के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान घर की छत पर आग लग गई। बाहर निकलने पर उन्होंने पड़ोस में रहने वाली अनिता यादव के हाथ में जलती लकड़ी देखी। उन्हें देखते ही वह अपने घर चली गई।

रूपेश और उनके भतीजे ने तुरंत पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग लगने से घर में रखी कुर्सी, कपड़े, तिरपाल और लकड़ी सहित करीब 5 हजार रुपए का सामान जल गया।

शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी महिला अनिता यादव (47) को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने आग लगाने की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल की गई अंगीठी भी जब्त की गई।

पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ बीएनएस की धारा 326(जी) के तहत मामला दर्ज किया। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

## बेमेतरा में पटवारी सस्पेंड : रिकॉर्ड से छेड़छाड़ पर कलेक्टर ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी करने वालों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। एक पटवारी को निजी जमीन के खसरा और नक्शे में सक्षम न्यायालय के आदेश के बिना फेरबदल करना भारी पड़ा है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर पटवारी अम्बा उपाध्याय को निलंबित कर दिया गया है।

अम्बा उपाध्याय ग्राम निनवा के हल्का क्रमांक-40 की पटवारी थीं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि राजस्व अभिलेखों से छेड़छाड़ या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच में सामने आया कि ग्राम निनवा स्थित निजी स्वामित्व की भूमि के खसरा क्रमांक 184/1 और 184/2 में बदलाव किए गए थे। ये बदलाव बिना सक्षम न्यायालय के आदेश के हुए थे। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 115 और 116 के प्रावधानों के विपरीत पाई गई। अधिकारियों ने इसे शासकीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता और कदाचार माना। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप जिलाधिकारी बेमेतरा (राजस्व) ने निलंबन आदेश जारी किया। यह आदेश छग सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत दिया गया।

निलंबन अवधि में अम्बा उपाध्याय का मुख्यालय तहसील कार्यालय बेमेतरा रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। प्रशासन ने व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए कदम उठाए हैं। हल्का क्रमांक-40 का अतिरिक्त प्रभार पटवारी मेघनाथ वर्मा को सौंपा गया है। मेघनाथ वर्मा हल्का क्रमांक-26 के पटवारी हैं। इससे संबंधित राजस्व कार्य अब उनके माध्यम से संचालित होंगे। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राजस्व अभिलेखों की शुचिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

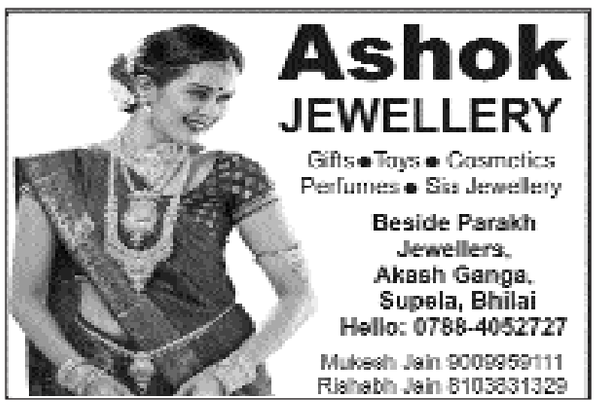

# जनजातीय बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बनेगा शबरी वाचनालय - राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने वनवासी विकास समिति, छत्तीसगढ़ द्वारा जनजातीय बालिकाओं में अध्ययन, ज्ञानार्जन एवं पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित शबरी वाचनालय का उद्घाटन किया। वाचनालय की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेच्छानुदान मद से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि शबरी वाचनालय एक दूरदर्शी पहल है, जो जनजातीय बालिकाओं के लिए अध्ययन, चिंतन, आत्मविकास एवं व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां अध्ययन करने वाली बालिकाएं ज्ञान एवं शिक्षा के बल पर प्रतियोगी परीक्षाओं सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगी। उनकी उपलब्धियां न केवल उनके परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र का गौरव भी बढ़ाएंगी।

उन्होंने कहा कि शबरी कन्या आश्रम वर्षों से जनजातीय बालिकाओं को केवल आश्रय और शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्रसेवा की भावना भी प्रदान कर रहा है। इसी का परिणाम है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाली अनेक बालिकाएं आज शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन तथा समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण राज्य है। यहां की संस्कृति का संबंध रामायण काल की परंपराओं से है। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में अनेक समानताएं हैं तथा दोनों राज्यों की सांस्कृतिक धारा भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। ऐसे गौरवशाली सांस्कृतिक परिवेश का हिस्सा होना हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय इंटरनेट और तकनीक का युग है। तेजी से बदलती जीवनशैली के बीच जीवन मूल्यों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज के प्रति संवेदनशीलता, संतोष और सकारात्मक सोच ही जीवन को सार्थक बनाती है। संतुष्ट व्यक्ति ही वास्तविक रूप से प्रसन्न रह सकता है। जीवन ईश्वर का अमूल्य उपहार है, इसलिए इसके प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

राज्यपाल डेका ने कहा कि अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संबद्ध वनवासी विकास समिति, छत्तीसगढ़ प्रांत विगत कई दशकों से जनजातीय समाज के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, स्वावलंबन एवं सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का यह प्रयास वास्तव में प्रेरणादायी है। उन्होंने संस्था के संस्थापकों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों के समर्पण भाव की सराहना करते हुए उनके सेवा कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ वनवासी विकास समिति के अध्यक्ष उमेश कच्छप, सचिव अनुराग जैन, संस्था के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सहयोगी तथा शबरी कन्या आश्रम की छात्राएं उपस्थित थीं।

# शिक्षा ही सफलता का मूल मंत्र है, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहेः राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सरगुजा जिले में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की उत्साहपूर्ण शुरुआत जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के साथ हुई। पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय की घंटी बजाकर नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत किया और उन्हें तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर विद्यालय में प्रवेश दिलाया। पूरे कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति उत्साह, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आशा और समाज को शिक्षित बनाने का संकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बीच उपस्थित होकर उन्हें विद्यालय की नई शुरुआत के लिए प्रेरित करना अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता का मूल मंत्र है और यही वह आधार है जो व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास तथा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल बच्चों का नामांकन कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय पहुंचे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपने सपनों को साकार करे।

उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और ड्रॉपआउट की स्थिति समाप्त करने के लिए शासन लगातार प्रयास कर रहा है। विशेष रूप से सरगुजा जैसे जनजाति बहुल क्षेत्र में शिक्षा का महत्व और अधिक है। पहाड़ी कोरवा सहित विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की उन्होंने सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा माता-पिता, गुरुजनों, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। वहीं अभिभावकों से बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा बेटा-बेटी को समान अवसर प्रदान करने की अपील भी की।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहने और जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव छोटे बच्चों के मन में विद्यालय को लेकर होने वाले भय को दूर करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन लगातार विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रहा है। श्री भरत सिंह सिसोदिया ने शिक्षकों से बच्चों को शिक्षा के साथ श्रेष्ठ संस्कार देने का आग्रह किया।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि भवनविहीन विद्यालयों के लिए भवन स्वीकृत किए गए हैं, विद्यार्थियों के जाति प्रमाणपत्र बनवाए गए हैं तथा विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों का उच्च कक्षाओं में प्रवेश सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को रायपुर के निजी कोचिंग संस्थानों में प्रवेश दिलाया गया है। जिले में शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं, इसलिए उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा तैयार की गई दीवार पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर कक्षा पहली, छठवीं और नवमी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को गणवेश, पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, स्कूल बैग तथा अन्य अध्ययन सामग्री वितरित की गई। शिक्षा के प्रति बच्चों का उत्साह बढ़ाने और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल रही।

कार्यक्रम में शासन की साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत पात्र 21 छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि साइकिल जैसी योजनाएं बालिकाओं को विद्यालय तक सहज पहुंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का भाव विकसित करती हैं। उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। शिक्षा दूत पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 21 शिक्षकों तथा ज्ञान दीप पुरस्कार 2025-26 प्राप्त करने वाले 3 शिक्षकों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया और उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की गई। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत असाक्षरों को साक्षर बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वॉलेंटियरों को भी सम्मानित किया गया।

## प्रोजेक्ट पाई-पाई के तहत वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट पाई-पाई के तहत भारतीय रिजर्व बैंक, नवा रायपुर के नेतृत्व में कृष्णा इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, धनलक्ष्मी नगर, भनपुरी में आज वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन तथा सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बैंकिंग योजनाओं, बजट निर्माण, बचत एवं निवेश के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड एवं ऑनलाइन ठगी जैसे बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में भी बताया गया। वर्तमान समय में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, प्रत्येक व्यक्ति को सतर्क रहकर सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार अपनाना चाहिए।

# यूपीएससी 2025 के छत्तीसगढ़ टॉपरों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से की सौजन्य मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले छत्तीसगढ़ के टॉपर अभ्यर्थियों ने रायपुर में वित्त मंत्री ओपी चौधरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान वित्त मंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। छत्तीसगढ़ के इन प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार, शिक्षकों और मार्गदर्शकों का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की सफलता प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। यह उपलब्धि बताती है कि समर्पण और निरंतर प्रयास के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने ज्ञान, क्षमता और संवेदनशीलता से देश एवं समाज की सेवा करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे।

# लैलूंगा के पाकरगांव के सुगंधित जवांफूल चावल की खुशबू पहुंच रही मुख्यमंत्री निवास तक

## सामूहिक खेती कर किसान बदल रहे समृद्धि की तस्वीर, 175 से 180 रुपये किलो बिक रहा जवांफूल चावल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के पाकरगांव सुगंधित जवांफूल धान की खेती के लिए अपनी अलग पहचान बना रहा है। यहां के किसान वर्षों पुरानी पारंपरिक धान प्रजाति को संरक्षित करते हुए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन ले रहे हैं। पाकरगांव में उत्पादित जवांफूल चावल की मांग लगातार बढ़ रही है और इसकी खुशबू अब मुख्यमंत्री निवास तक पहुंच रही है। किसानों की मेहनत, अनुभव और बेहतर कृषि प्रबंधन से क्षेत्र में खेती की नई संभावनाएं विकसित हो रही हैं।

ग्राम पाकर के कृषक निर्भय राम नायक, सेवक राम नायक, बूंद राम नायक, प्रदीप नायक और गणेश राम नायक द्वारा सामूहिक रूप से लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में जवांफूल धान की खेती की जा रही है। किसानों का कहना है कि जवांफूल धान की गुणवत्ता, स्वाद और बाजार में बढ़ती मांग के कारण यह सामान्य धान की तुलना में अधिक लाभ देने वाली फसल साबित हो रही है।



### दिल्ली तक पहुंच रहा पाकर का जवांफूल चावल

किसानों ने बताया कि जवांफूल चावल की मांग स्थानीय स्तर के साथ-साथ बड़े शहरों में भी है। यहां उत्पादित चावल रायपुर, दिल्ली और कई बड़े शहरों तक पहुंच रहा है। किसानों ने बताया कि उनके खेतों में तैयार जवांफूल चावल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास तक भी भेजा जाता है, जो पाकरगांव के किसानों के लिए गौरव का विषय है। वर्तमान में किसान जवांफूल चावल का विक्रय लगभग 175 से 180 रुपये प्रति किलो की दर से कर रहे हैं। उपभोक्ता सीधे किसानों से भी चावल खरीदने पहुंच रहे हैं। किसानों के अनुसार, बेहतर गुणवत्ता और शुद्ध उत्पादन के कारण इसकी बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। किसानों ने बताया कि जवांफूल धान की खेती में विशेष देखभाल और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। केवल धान लगाने से बेहतर उत्पादन संभव नहीं है, बल्कि समय पर कृषि कार्य, शुद्ध बीज का चयन और गुणवत्ता बनाए रखना जरूरी है। किसानों के अनुसार, जवांफूल धान से लगभग 12 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त होता है। मिलिंग के बाद लगभग 60 प्रतिशत तक चावल प्राप्त होता है।

### हरी खाद के उपयोग से तैयार कर रहे बेहतर फसल

किसानों ने बताया कि वे इस खरीफवर्ष में धान की खेती से पहले खेतों में ढैंचा का उपयोग कर भूमि की उर्वरता बढ़ाने का कार्य कर रहे है। ढैंचा को खेत में मिलाने से मिट्टी में जैविक तत्वों की वृद्धि होती है और फसल को प्राकृतिक पोषण मिलता है। किसानों को ढैंचा का बीज कृषि विभाग एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया था। पाकरगांव के किसानों की यह पहल सुगंधित धान प्रजाति के संरक्षण, प्राकृतिक खेती और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन का बेहतर उदाहरण बन रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत तकनीक, स्थानीय फसलों के संरक्षण और बेहतर उत्पादन के लिए लगातार मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

## सीसीटीएनएस को और सशक्त बनाने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

# नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप न्याय प्रक्रिया को त्वरित, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में नवीन भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय प्रक्रिया को तकनीक आधारित, सरल एवं त्वरित बनाने की दिशा में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीसीटीएनएस के संचालन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों, विभिन्न डिजिटल मॉड्यूल के एकीकरण तथा न्यायिक एवं पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई।



उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप अपराधों की विवेचना, साक्ष्य संकलन, न्यायालयीन प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को पूर्णतः डिजिटल और समयबद्ध बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीसीटीएनएस के माध्यम से न्याय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को अधिक सुगम, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाया जाए। बैठक में ई-एफआईआर, ई-चालान, ई-साक्ष्य, मेडलीपार, ई-प्रिजन, ई-फोरेंसिक, सीआईएस, न्याय श्रुति तथा अन्य डिजिटल प्रणालियों को सीसीटीएनएस के साथ प्रभावी रूप से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्रे अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी मॉड्यूलों के बीच समन्वय स्थापित कर न्याय प्रक्रिया को अधिक तेज और पारदर्शी बनाया जाए, जिससे नागरिकों को त्वरित न्याय उपलब्ध हो सके। शर्मा ने कहा कि डिजिटल साक्ष्यों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को ई-साक्ष्य प्रणाली का व्यापक प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि डिजिटल साक्ष्यों का संकलन, संरक्षण एवं न्यायालय में प्रस्तुतिकरण पूरी दक्षता के साथ किया जा सके। उन्होंने अच्छा कार्य करें वाले जिलों को प्रोत्साहित कर उन

बैठक में न्याय श्रुति प्रणाली को शीघ्र प्रारंभ करने पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्रे निर्देश दिए कि उच्च न्यायालय के माध्यम से सभी न्यायाधीशों की आवश्यक आईडी तैयार कराकर न्याय श्रुति प्रणाली को जल्द से जल्द गो-लाइव किया जाए, जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं में तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मेडिकल जांच एवं रिपोर्ट की प्रक्रिया को और तेज बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर सभी जिला अस्पतालों को मेडलीपार प्रणाली से जोड़ने तथा प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त कर प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्र्श्रशर्मा ने अगले तीन से चार महीनों के भीतर इस पूरी प्रणाली को पूर्ण रूप से कार्यशील बनाने के निर्देश दिए। श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों को भी चरणबद्ध तरीके से सीसीटीएनएस प्रणाली से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। इससे मेडिकल साक्ष्यों के आदान-प्रदान और जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी तथा न्यायिक प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने दुर्ग जिले में ऑनलाइन सीसीटीएनएस प्रणाली के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना की। बैठक में उप मुख्यमंत्रे विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की समीक्षा करते हुए सभी प्रकार के प्रकरणों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित करने तथा जांच की समय-सीमा तय कर उसे न्यूनतम करने के निर्देश दिए। साथ ही फोरेंसिक विशेषज्ञों की आवश्यक भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा लंबित प्रकरणों की संख्या में उल्लेखनीय कमी लाने पर विशेष जोर दिया। प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, सचिव हिमशिखर गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक ध्रुव गुप्ता, एनसीआरबी एवं सीसीटीएनएस के वरिष्ठ अधिकारी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से तथा राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### दुर्ग, बिलासपुर और रायपुर कमिश्नरेट के सभी थानों में होंगे ई-साइनिंग पैड

बैठक में प्रार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। उप मुख्यमंत्रे निर्देश दिए कि प्रारंभिक चरण में दुर्ग, बिलासपुर तथा रायपुर कमिश्नरेट के सभी थानों में तथा राज्य के प्रत्येक जिले के दो-दो थानों में इस माह के अंत तक दो-दो ई-साइनिंग पैड उपलब्ध कराए जाएं। इससे शिकायतकर्ताओं के डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया सरल होगी और दस्तावेजों का ऑनलाइन निष्पादन अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा। इसके बाद पूरे राज्य में सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

### एनसीआरबी और एनआईसी मिलकर दूर करेंगे तकनीकी समस्याएं

उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अधिकारियों से कहा कि वे राज्य में आकर ऑनबोर्डिंग के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं का राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें

### आईसीजेएस के पांचों स्तंभों को मजबूत करने पर जोर

श्री शर्मा ने नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के सभी पांचों स्तंभों को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस, न्यायालय, जेल, फोरेंसिक तथा अभियोजन तंत्र के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर न्याय प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950